mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-34 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

04 फरवरी 2025 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

इंग्लैंड के खिलाफ...
@ पेज 7

महाकुंभ हादसा: 'जांच में षड़यंत्र की बू आ रही है', रविशंकर प्रसाद का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में जारी महाकुंभ में हर रोज करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु संगम में स्नान कर रहे हैं। भारत समेत दुनिया के विभिन्न देशों से लोग

● मौनी अमावस्या के दिन महाकुंभ में भगदड़ जैसी स्थिति मच गई थी

महाकुंभ में गंगा, यमुना, सरस्वती के त्रिवेणी संगम में स्नान कर रहे हैं। हालांकि, बीते 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के दिन महाकुंभ में भगदड़ जैसी स्थिति मच गई थी जिस कारण कई श्रद्धालुओं की जान चली गई थी। इस हादसे की न्यायिक जांच की जा रही है। महाकुंभ में हादसे को लेकर संसद में भी विपक्षी दलों की ओर से हंगामा किया जा रहा है। वहीं, लोकसभा में भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने इस मुद्दे पर जवाब देते हुए कहा है कि महाकुंभ हादसे की जांच में षडयंत्र की बू आ रही है।

भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि महाकुंभ में अब तक 35 करोड़ लोग स्नान कर चुके हैं। जो हादसा हुआ उसकी जांच चल रही है और उस जांच में षडयंत्र की बू आ रही है। जब पूरी जांच सामने आएगी तब वो हादसा किसने

करवाया उनको शर्म से झुकना पड़ेगा। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कुंभ और सनातन का नाम सुनते ही विपक्ष को परेशानी क्यों हो जाती है। एक बात मैं सदन में साफ-साफ कहना चाहता हूं। सनातन का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान।

महाकुंभ में मची भगदड़ पर मेला अधिकारी कुंभ वैभव कृष्ण ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उन्होंने बताया था कि भगदड़ में 30 लोगों की मौत हुई थी। वहीं, 36 घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा था। डीआईजी ने बताया कि भीड़ की वजह से कुछ बैरिकेड टूट गए। कुछ श्रद्धालु बैरिकेड्स तोड़कर आगे जाना चाहते थे जिससे वहां सोए हुए श्रद्धालुओं पर भीड़ चल पड़ी।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तानी भिखारियों ने फिर करा दी अपने मुल्क की बेइज्जती

इस्लामाबाद (एजेंसी)। सऊदी अरब पाकिस्तान के भिखारियों से परेशान है। सऊदी अरब ने उमराह की आड़ में पाकिस्तान से आने वाले भिखारियों को लेकर कई बार चिंता जताई है। लेकिन, अब सऊदी सरकार ने इन भिखारियों के खिलाफ एक्शन भी शुरू कर दिया है। सऊदी अरब में 10 पाकिस्तानी भिखारी पकड़े गए हैं। ये

भिखारी मक्का में उमराह वीजा पर गए थे और वहां जाकर भीख मांगना शुरू कर दिया था। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी फेडरल इन्वेस्टिगेटिव एजेंसी ने इसे लेकर बयान जारी किया है। एजेंसी ने कहा है कि सऊदी अरब ने उमराह वीजा पर जाकर भीख मांग रहे 10 पाकिस्तानियों को वापस देश भेज दिया है। कराची के जिन्ना इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरते ही इन सभी भिखारियों को पुलिस हिरासत में ले लिया गया है। पाकिस्तान की पुलिस ने भिखारियों को हिरासत में लेने के बाद कराची एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग सर्किल को भेज दिया गया है। जानकारी के मुताबिक ये भिखारी पिछले कई महीनों से सऊदी अरब में भीख मांग रहे थे। बता दें कि, सऊदी अरब में लगभग 25 लाख पाकिस्तानी रहते हैं और कुल प्रवासियों में पाकिस्तानी दूसरे नंबर पर हैं। अब जिस तरह की खबरें लगातार सामने आती रहती हैं उससे तो यही जाहिर होता है कि इनमें से कई भीख मांगकर पैसे कमाते हैं।

बांग्लादेश के हिंदुओं को दी सरस्वती पूजा की बधाई,

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने हिंदू समुदाय को सरस्वती पूजा की शुभकामनाएं दी हैं। यूनुस ने कहा कि उनका देश हर धर्म एवं जाति के लोगों के लिए सुरक्षित स्थान है। बसंत पंचमी के अवसर पर बांग्लादेश में हिंदुओं ने सोमवार को पूरे उत्साह के साथ सरस्वती पूजा की।

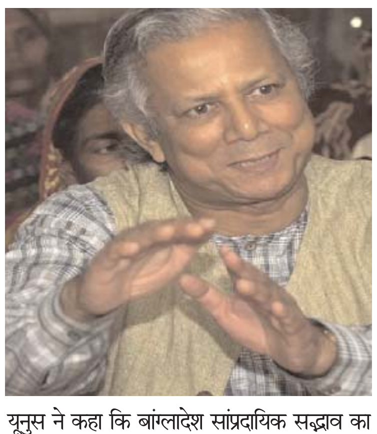

यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश सांप्रदायिक सद्भाव का वास है। उन्होंने कहा, ''हजारों साल से सभी जातियों, रंगों और धर्मो के लोग इस देश में एक साथ रह रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''यह देश हम सबका है और हर धर्म एवं जाति के लोगों के लिए सुरक्षित स्थान है।'' मोहम्मद यूनुस ने कहा कि अंतरिम सरकार ''जाति, धर्म और जाति से परे सभी के भाग्य को बेहतर बनाने और उनके समान अधिकार सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रही है।'' उन्होंने कहा कि देवी सरस्वती सत्य, न्याय और ज्ञान के प्रकाश की प्रतीक हैं। यूनुस ने कहा, ''वह ज्ञान, वाणी और माधुर्य की सर्वशक्तिमान देवी हैं।'' यूनुस ने देश के अंतरिम नेता के रूप में उस समय कार्यभार संभाला था, जब पिछले साल छात्रों के नेतृत्व में हुए विद्रोह के कारण पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को पांच अगस्त को देश छोड़कर भारत जाना पड़ा था। इसी के साथ देश में हसीना का 15 साल का शासन समाप्त हो गया था।

महाराष्ट्र में सरकारी कार्यालयों में मराठी बोलना अनिवार्य

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में मराठी भाषा को बढ़ावा देने के लिए देवेंद्र फडणवीस की सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। महाराष्ट्र में अब सभी सरकारी, अर्धसरकारी और नगर निगम कार्यालयों में मराठी बोलना अनिवार्य कर दिया गया है। मराठी भाषा में बोलने के लिए दफ़्तर में साइन बर्ड लगाने होंगे। वहीं, जानकारी के मुताबिक, सरकारी कार्यालयों में कंप्यूटर की-बोर्ड भी मराठी भाषा में होंगे। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, सरकारी कार्यालयों में मराठी भाषा का इस्तेमाल न करने वालों के खिलाफ एक्शन की भी तैयारी है। जानकारी के मुताबिक, मराठी भाषा का इस्तेमाल करने से मना करने वालों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है।

वसंत पंचमी पर रही संगम से 10 किलोमीटर तक श्रद्धालुओं की भीड़

महाकुंभ का आखिरी अमृत स्नान, 2.33 करोड़ लोगों ने डुबकी लगाई

प्रयागराज (एजेंसी)। वसंत पंचमी पर महाकुंभ का तीसरा और अंतिम अमृत स्नान जारी है। हाथों में तलवार-गदा, डमरू और शंख। शरीर पर भभूत। आंखों पर काला चश्मा। घोड़े और रथ की सवारी। हर-हर महादेव का जयघोष करते हुए साधु-संत स्नान के लिए संगम पहुंचे। सबसे पहले पंचायती निरंजनी अखाड़े के संत संगम में अमृत स्नान किया। फिर सबसे बड़े जूना अखाड़े के साथ किन्नर अखाड़े ने डुबकी लगाई।

शाम 5 बजे तक सभी 13 अखाड़ों ने स्नान कर लिया। संतों का आशीर्वाद लेने के लिए लाखों श्रद्धालु संगम पर थे। लोग नागा साधुओं की चरण रज माथे पर लगाते नजर आए। 30 से ज्यादा देशों के लोग भी अमृत स्नान देखने के लिए संगम पहुंचे। हेलिकॉप्टर से संगम पर 20 क्विंटल फूल बरसाए गए। संगम जाने वाले सभी रास्तों पर 10 किमी तक श्रद्धालुओं का रेला है। प्रयागराज जंक्शन से 8 से 10 किमी पैदल चलकर लोग

संगम पहुंच रहे हैं। भीड़ को देखते हुए लेटे हनुमान मंदिर को बंद कर दिया गया है। मेला क्षेत्र के सभी रास्ते वन-वे हैं। भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक सोमवार को लखनऊ पहुंचे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने उन्हें रिसीव किया। भूटान नरेश मंगलवार को कुंभ जाएंगे। महाकुंभ का आज 22वां दिन है। 6 बजे तक 2.33 करोड़ श्रद्धालुओं ने स्नान किया। 13 जनवरी से अब तक 34.97 करोड़ से ज्यादा लोग डुबकी लगा चुके हैं।

महाकुंभ भगदड़ पर सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने प्रयागराज महाकुंभ में हुई भगदड़ को एक ÷दुर्भाग्यपूर्ण घटना÷ बताया और देशभर से आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए सुरक्षा उपाय व दिशा-निर्देश लागू करने के लिए निर्देश देने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने जनहित याचिका दायर करने वाले वकील से कहा कि वह अपनी याचिका लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट जाएं। महाकुंभ भगदड़ को लेकर सुप्रीम कोर्ट के वकील विशाल तिवारी की ओर से ये जनहित याचिका दाखिल की गई है। याचिका में मौनी अमावस्या के दिन हुई भगदड़ पर स्टेटस रिपोर्ट और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की गई है। इतना ही नहीं इसमें सभी राज्यों की ओर से मेले में सुविधा केंद्र खोलने की भी बात कही गई है, जिससे गैर हिंदी भाषी नागरिकों को किसी प्रकार की कोई असुविधा न हो।

पप्पू यादव पर कार्रवाई की मांग, सोनिया गांधी के खिलाफ भी शिकायत

राष्ट्रपति पर टिप्पणी का मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी के जनजातीय समुदाय से आनेवाले लोकसभा सांसदों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के खिलाफ टिप्पणी मामले पर सांसद पप्पू यादव के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के मुताबिक, राज्यसभा चेयरमैन से कांग्रेस सांसद सोनिया गाँधी के खिलाफ भी शिकायत की गई है। बता दें कि राष्ट्रपति मुर्मू को लेकर सोनिया गांधी की टिप्पणी पर भी काफी बवाल हुआ था।

दरअसल, हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बजट सत्र के पहले दिन लोकसभा और राज्यसभा के संयुक्त सत्र को संबोधित किया था। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर सांसद पप्पू यादव ने विवादित बयान दिया था। पप्पू यादव ने कहा था- ÷वह तो स्टॉम्प हैं किसी का लव लेटर पढ़ना है उनको।÷ वहीं, राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी ने कहा था राष्ट्रपति अंत तक बहुत थक गई थीं। वह मुश्किल से बोल पा रही थीं। इस दौरान सोनिया गांधी ने कथित तौर पर %क्क्षश्शह्- ञ्द्धद्बठ्ठद्द% शब्दों का प्रयोग किया। इस मामले में पप्पू यादव के खिलाफ संसदीय विशेषाधिकार, नैतिकता और औचित्य के उल्लंघन के लिए नोटिस जारी किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पर सोनिया गांधी और पप्पू यादव की टिप्पणी पर भाजपा के सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा- ÷देश के राष्ट्रपति पर ऐसी अपमानजनक टिप्पणी करना एक सांसद को शोभा नहीं देता। इसलिए हमने लोकसभा में पप्पू यादव के खिलाफ स्पीकर को ज्ञापन दिया है। अब हम राज्यसभा के सभापति को (सोनिया गांधी के खिलाफ) ज्ञापन देने वाले हैं और इन टिप्पणियों पर, वह भी एक महिला के खिलाफ की जांच की मांग करेंगे।%%

रेलवे के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश

महाराष्ट्र में क्या-क्या चल रहा कार्य? रेल मंत्री ने दी पूरी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए महाराष्ट्र राज्य के साथ देश भर में रेलवे के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर हुए निवेश की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र के लिए 23,778 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जो यूपीए सरकार के समय किए गए आवंटन की तुलना में 20 गुना अधिक है।

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि महाराष्ट्र में %अमृत भारत योजना% के तहत रेलवे स्टेशनों के नवीनीकरण का काम भी तेजी से चल रहा है। इस योजना के अंतर्गत महाराष्ट्र के 132 रेलवे स्टेशनों का नवीनीकरण किया जा रहा है। वहीं, उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में अब तक 2,105 किलोमीटर नए रेलवे ट्रैक बनाए जा चुके हैं, जो राज्य के रेलवे नेटवर्क को और अधिक मजबूत बनाएंगे।

रेल मंत्री ने बताया कि देशभर में रेलवे नेटवर्क में 1 लाख 70 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया गया है, जिसमें से 1 लाख 60 हजार करोड़ रुपये केवल रेलवे की सुरक्षा में आवंटित किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि मुंबई उपनगरीय रेलवे के लिए भी 15,000 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। इसके अलावा, मुंबई के रेलवे नेटवर्क को और भी बेहतर बनाने के लिए 700 से 800 करोड़ रुपये की लागत से नए ट्रैक बिछाए जाएंगे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि मुंबई में वर्तमान में लगभग 300 लोकल ट्रेनें संचालित हो रही हैं, जो शहर के लाखों लोगों की दैनिक यात्रा का अहम हिस्सा हैं।इसके साथ ही उन्होंने बताया कि मुंबई सेंट्रल से बोरीवली तक छठी रेलवे लाइन का कार्य जल्द ही शुरू होने वाला है। उन्होंने कहा कि मुंबई में ही 16,400 करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाएं चल रही हैं, जो शहर की रेलवे सुविधाओं को आधुनिक और अधिक सक्षम बनाएंगी।

वोटिंग के दिन 25000 से ज्यादा पुलिसकर्मियों की तैनाती

दिल्ली विधानसभा चुनाव में कैसी रहेगी सुरक्षा व्यवस्था? पुलिस ने खुद दे दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने बताया है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर उनकी पूरी तैयारी है। 1284 जगहों पर पोलिंग स्टेशन हैं। 10 ईवीएम स्टोरेज सेंटर हैं। वोटिंग के दिन 25000 से ज्यादा पुलिसकर्मियों की तैनाती रहेगी। 220 कंपनी गृह मंत्रालय से मिली है। इसके अलावा चुनाव के दिन 9 हज़ार होमगार्ड जवानों की भी तैनाती होगी। पुलिस ने कहा है कि ईवीएम को स्ट्रांग रूम तक सुचारू रूप से पहुंचाया जाएगा।

दिल्ली पुलिस में उन जगहों पर कार्रवाई की है जहां ज्यादा शराब और ड्रग्स मिलती है। इस दौरान पुलिस ने 51 हजार लीटर से ज्यादा शराब पकड़ी हैं। बता दें कि 2020 के चुनाव में 32 हजार लीटर शराब पकड़ी गई थी। कैश 5.2 करोड़ जब्त किया गया जो कि 2020 में डेढ़ करोड़ के आस पास था। पुलिस ने इस दौरान 8900 हथियार जमा करवाये हैं। पुलिस ने 1 लाख लोगों

को प्रिवेंटिव एक्शन में लिया है। 25 हज़ार लोगो को बाउंड डाउन किया है। पुलिस ने बताया है कि चुनाव प्रचार के दौरान दिल्ली पुलिस रोजाना 1200 प्रोग्राम कवर करती थी। पूरे आचारसंहिता के दौरान दिल्ली में तकरीबन 12 हजार प्रचार और रैली के प्रोग्राम हुए। आज रात और कल की रात कुछ पीसीआर कॉल मिल सकती है जिसमें शराब बांटने, कैश बांटने जैसी कॉल हो। उसको देखते हुए दिल्ली पुलिस तैनात रहेगी। पुलिस की नजर रहेगी, ताकि मतदाताओं को डराया धमकाया न जा सके। पुलिस ने कहा है कि दिल्ली के बॉर्डर्स पर चेकिंग होगी ताकि क्रॉस बॉर्डर मूवमेंट न हो। स्पेशल सीपी जोन 1 रविंदर यादव ने बताया है कि मतदान केंद्र के अंदर मोबाइल फोन ले जाना मना है। अगर कोई इसे तोड़ता है तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। राजनीतिक पार्टियों द्वारा स्ट्रांग रूम की सुरक्षा की अपील पर उन्होंने बताया है कि कई लेयर की सिक्योरिटी होगी, हम सुनिश्चित करते हैं कि ऐसा कुछ नहीं होगा। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए है।

संसद में उठा घरेलू हिंसा-शोषण के कानून के दुरुपयोग का मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में बीते कुछ समय से महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा और शोषण से जुड़े कानून के दुरुपयोग को लेकर काफी हंगामा मचा हुआ है। अब ये मुद्दा संसद में उठ गया है। भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा ने %अतुल सुभाष% की आत्महत्या का जिक्र करते हुए इन मामलों पर चिंता जाहिर की है। सांसद दिनेश शर्मा ने सदन में झूठे आरोप झेलने वाले पुरुषों के लिए जरूरी कानूनी और भावात्मक समर्थन की मांग उठायी है। उन्होंने झूठे आरोप लगाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। शुक्रवार को राज्यसभा में सांसद दिनेश शर्मा ने शून्यकाल के तहत अतुल

सुभाष की आत्महत्या का जिक्र किया। उन्होंने इस दौरान घरेलू हिंसा तथा उत्पीड़न से जुड़े कानून को जेंडर न्यूट्रल बनाने की मांग की है। सांसद ने कहा कि कानून ने महिलाओं को घरेलू हिंसा और शोषण से बचाने में बहुत प्रगति की है लेकिन ऐसी ही हिंसा और शोषण से पुरुषों के लिए सुरक्षा का अभाव चिंता की बात है। सांसद ने कहा कि झूठे आरोपों का सामना करने वाले पुरुषों के लिए पर्याप्त कानूनी और भावात्मक समर्थन नहीं है। उन्होंने कहा कि क्चहृस् की धारा 85 का दुरुपयोग गंभीर चिंता का विषय है।

जनजातीय अंचल के स्कूली बच्चों ने स्वच्छ जल की महत्ता को समझा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेव्हलपमेंट कम्पनी (एमपीयूडीसी) एशियन डेव्हलपमेंट के सहयोग से प्रदेश में जल-प्रदाय योजनाओं पर कार्य कर रही है। इसी के साथ एमपीयूडीसी योजना क्षेत्र में स्वच्छ जल की महत्ता के संबंध में जन-जागरूकता कार्यक्रम भी चला रही है। एमपीयूडीसी ने बालाघाट जिले के जनजातीय अंचल के बैहर और मलाजखण्ड में पीएमश्री गर्ल्स्स्कूल और उत्कृष्ट विद्यालय में जल-ऑडिट कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में बच्चों को शुद्ध जल के फायदे और दूषित पानी से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी दी गयी। बच्चों को जल-संरक्षण के लिये प्रेरित किया गया। दोनों स्कूलों में बच्चों की जल-ऑडिट टीम भी बनायी गयी। इन कार्यक्रमों में 700 छात्रों ने सक्रिय रूप से भागीदारी की। सामुदायिक विकास अधिकारी सुश्री अपराजिता मिश्रा और उपयंत्री श्री अंकित सिंह ने बच्चों को क्षेत्र में संचालित जल-प्रदाय योजना कार्य-प्रणाली की जानकारी दी। बच्चों को पानी के रिसाव और अपव्यय के प्रति जागरूक रहने की भी समझाइश दी गयी।

करीब 7 लाख पुराने रजिस्टर्ड वाहनों में लगायी गयी हाई सिक्यूरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में एक अप्रैल, 2019 के बाद पंजीकृत होने वाले नये वाहनों में परिवहन विभाग हाई सिक्यूरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) लगा रहा है। इसके पूर्व पंजीकृत वाहनों में भी सोसायटी ऑफ इण्डियन ऑटोमोबाइल मैन्युफेक्चर्स (एसआईएएम) के माध्यम से वाहन स्वामी द्वारा हाई सिक्यूरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगवायी जा रही है। वाहनों में एचएसआरपी लगाये जाने से वाहन की नम्बर प्लेट में किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी और अपराध किये जाने पर रोक लगाने में काफी मदद मिली है। वाहन चोरी की दशा में उसे ट्रेस करने में भी मदद मिल रही है। प्रदेश में पुराने रजिस्टर्ड वाहनों में हाई सिक्यूरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगाये जाने का कार्य तेज गति से किया जा रहा है। प्रदेश में अब तक 7 लाख से अधिक पुराने रजिस्टर्ड वाहनों में एचएसआरपी लगवायी जा चुकी हैं।

जवाहर नवोदय विद्यालय पार्श्व प्रवेश परीक्षा - 2025

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जवाहर नवोदय विद्यालय, रातीबड़ जिला भोपाल में कक्षा 9वीं -11वीं में प्रवेश के लिए पार्श्व प्रवेश परीक्षा - 2025, शनिवार 8 फरवरी 2025 को भोपाल जिले के दो केन्द्रों पर आयोजित की जाएगी। परीक्षा के प्रवेश-पत्र ऑनलाइन उपलब्ध हैं। प्राचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय रातीबड़ भोपाल ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों का प्रवेश- पत्र ऑनलाइन से स्वयं ही प्राप्त कर सकते हैं। प्रवेश-पत्र प्राप्त करने में कोई समस्या हो तो दूरभाष 0755-2896325 एवं मोबाइल नंबर 95843-59571 पर सपंर्क किया जा सकता है।

वितरण ट्रांसफार्मर्स और फीडर में लगाये जा रहे मीटर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने जानकारी दी है कि आरडीएसएस (रिवेम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम) के तहत पूरे प्रदेश में विद्युत अधोसंरचना में वृद्धि और विद्युत हानियों को कम करने के लिये वृहद स्तर पर कार्य किये जा रहे हैं। अभी तक 11 हजार 516 वितरण ट्रांसफार्मर मीटरिंग और 7 हजार 933 फीडर मीटरिंग की जा चुकी है। श्री तोमर ने बताया कि 11 हजार 171 किलोमीटर निम्न दाब लाइन, 9 हजार 865 किलोमीटर उच्च दाब लाइन लगाई जा चुकी है। साथ ही 7 हजार 34 वितरण ट्रांसफार्मर और 219 विद्युत उप केन्द्र स्थापित किये जा चुके हैं।

एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड स्कीम में कृषकों को 3 प्रतिशत ब्याज की छूट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड स्कीम केन्द्र सरकार द्वारा संचालित एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसका उद्देश्य देश में कृषि अवसंरचना का विकास एवं विस्तार करना है। इस योजना के माध्यम से कृषक, कृषि अवसंरचना निर्माण के लिये बैंक से प्राप्त राशि रुपये 2 करोड़ तक के ऋण पर 3 प्रतिशत ब्याज छूट का लाभ सात वर्षों के लिए से सकते है। इस योजना के अंतर्गत वेयरहाउस, साइलोस, कस्टम हायरिंग सेंटर, कोल्ड स्टोरेज, सॉर्टिंग व ग्रेडिंग इकाई, प्राथमिक प्र-संस्करण इकाई, एयरोफोनिक फार्मिंग, हायड्रोफोनिक फार्मिंग, वर्टिकल कार्मिंग, मशरूम फार्मिंग, स्मार्ट प्रिसीजन फार्मिंग के लिये अवसंरचना निर्माण की जा सकती हैं। योजनांतर्गत मध्यप्रदेश को वर्ष 2025-26 तक 7440 करोड़ रूपये का लक्ष्य दिया गया है। जिसके विरुद्ध 7,804 करोड़ रूपये के कुल 10.860 प्रकरण स्वीकृत किए जा चुके हैं, जो कि देश के सभी राज्यों में सर्वाधिक है। इसके अतिरिक्त कुल 10.047 प्रकरणों में 5978 करोड़ रूपये का डिसबर्समेंट किया जा चुका है जो अन्य राज्यों की अपेक्षा कहीं अधिक है।

विद्यार्थी अपने ज्ञान और कौशल को निरंतर करते रहें अपडेट-राज्यपाल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल रविवार को महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय छतरपुर के चौथे दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। राज्यपाल श्री पटेल ने समारोह में विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और उपाधियां प्रदान की। उन्होंने विश्वविद्यालय के प्रकाशनों का लोकार्पण भी किया। राज्यपाल ने समारोह के सारस्वत अतिथि एवं नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी को एमसीबीयू डॉक्टर ऑफ साइंस की उपाधि से विभूषित किया।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि तेजी से बदलते आज के तकनीकी युग की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में निरंतर ज्ञान की खोज समय की जरूरत है। इसीलिए विद्यार्थी जीवन में नए अवसरों को प्राप्त करने और नई चुनौतियों के समाधान खोजने में अपने ज्ञान और कौशल को निरंतर अपडेट करते रहें। सपने साहस और धैर्य से साकार होते हैं। जरूरत है तो बस असफलता से सीख कर, स्वयं में बदलाव करते हुए आगे बढ़ने की। उन्होंने गुरूजनों से कहा कि जीवन में सफलता के लिए कठोर अनुशासन, भरपूर आत्म-विश्वास और संवेदनशील व्यक्तित्व होना जरूरी है। आपकी प्रतिभा, ज्ञान और कौशल से किए गए कार्यों की सार्थकता समाज की अंतिम कड़ी के वंचित व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाने में ही है।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि जीवन में आगे बढ़ते हुए आपको सफलता के पथ तक पहुँचाने वाले माता-पिता, गुरुजनों की साधना, त्याग और समर्पण को कभी नहीं भूलें। उन्होंने कहा कि भावी पीढ़ी की और मौलिक प्रतिभा को बढ़ाते हुए, ज्ञान और संस्कार से दीक्षित कर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को राष्ट्र एवं समाज सेवा के लिए सक्षम बनाएं। उन्होंने युवाओं से कहा कि आप सब विकसित भारत के अमृत प्रसंग की सौभाग्यशाली पीढ़ी हैं, जिसे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विजनरी नेतृत्व मिला है। उनकी दूरदर्शिता का प्रतिफल, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति है, जो युवाओं को जीवन में सफलता की अनंत ऊँचाइयों को छूने और भारत को ज्ञान की महाशक्ति बनाने का अवसर प्रदान करती है।

समारोह में उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी भारत के ज्ञान कोष पर गर्व करें। शोध के माध्यम से इस ज्ञान को विश्व भर में प्रसारित कर दुनिया के कल्याण का उद्देश्य लेकर आगे बढ़े।

कार्यक्रम में सारस्वत अतिथि एडमिरल श्री त्रिपाठी ने दीक्षांत उद्बोधन देते हुए उपस्थित विद्यार्थियों को 3 मूल मंत्र दिए। पहला कभी सीखना बंद न करें। निरंतर लर्निंग प्रोसेस को जारी रखें। दूसरा सक्सेस के लिए शॉर्ट कट्स न अपनाए एवं तीसरा पराजय को गरिमापूर्ण तरीके से स्वीकार करें, पराजय से सीखें और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़े।

कार्यक्रम में कुलगुरु प्रो. शुभा तिवारी ने स्वागत भाषण दिया और विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। समारोह में विशेष अतिथि वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री श्री दिलीप अहिरवार सहित विभिन्न संकायों के प्रमुख, विद्यार्थी और उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

मंत्री राकेश शुक्ला ने सपरिवार प्रयागराज के संगम में कुंभ स्नान किया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला का महाकुंभ में परिवार के साथ डुबकी लेने का कार्यक्रम आम जनता की तरह ही रहा। उन्होंने अपने और अपने परिवार के लिए कोई भी वीआईपी सुविधा नहीं ली। मंत्री श्री शुक्ला ने कहा कि धार्मिक दृष्टि से कुंभ में स्नान करना अत्यधिक फलदायी माना जाता है। मान्यता यह भी है कि कुंभ स्नान

से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है। शरीर की शुद्धि के लिए स्नान का महत्व है। उन्होंने बताया कि शास्त्रों में चार प्रकार के स्नान वर्णित है। भस्म स्नान, जल स्नान, मंत्र स्नान एवं गोरज स्नान।

मंत्री श्री शुक्ला ने कहा कि करीब 144 साल बाद सूर्य और बृहस्पति के गोचर से ऐसा अद्भुत संयोग देखने को मिला है। इस अवसर पर उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ मेले का आयोजन हुआ है। इसलिए हर व्यक्ति को महाकुंभ जरूर आना चाहिए और स्नान कर पुण्य लाभ लेना चाहिए।

मध्यप्रदेश के बाग प्रिंट शिल्पियों की पुणे की विरासत हाट में धूम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश की समृद्ध हस्तशिल्प परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाले बाग प्रिंट ने पुणे के विरासत कारीगर हाट में अपनी अनूठी छाप छोड़ी। पुणे के मोनालिसा कलाग्राम में आयोजित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रसिद्ध फिल्म निर्माता सुश्री गौरी शिंदे और आर. बाल्की ने किया। यह पहली बार है जब भारत में इस स्तर पर विरासत कारीगर हाट का आयोजन किया गया है, जिसमें देशभर के 30 प्रमुख शिल्पकारों को आमंत्रित किया गया है। यह प्रदर्शनी 3 फरवरी 2025 तक चलेगी।

धार जिले के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिल्पगुरु मोहम्मद युसुफ खत्री और अब्दुल करीम खत्री ने इस आयोजन में मध्यप्रदेश की प्रतिष्ठित बाग प्रिंट हस्तकला का प्रदर्शन किया। महाराष्ट्र के विभिन्न शहरों से आए शिल्प प्रेमियों ने इस प्राचीन कला को नजदीक से जाना, इसकी बारीकियों को समझा और बाग प्रिंट की समृद्ध परंपरा से रूबरू हुए।

प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती लिसा पिंगले ने अपने फार्म हाउस मोनालिसा पर देशभर के 30 प्रतिष्ठित शिल्पकारों को निःशुल्क आमंत्रित किया। उन्होंने बाग प्रिंट के प्रति अपनी विशेष रुचि दर्शाते हुए स्वयं बाग प्रिंट की साड़ी खरीदी और वहीं पर ब्लाउज सिलवाकर इसे पहनकर इस हस्तशिल्प का प्रचार किया। बॉलीवुड की दिग्गज निर्माता गौरी शिंदे और आर. बाल्की ने बाग प्रिंट की सुंदरता और विशिष्टता की सराहना की।

सिंहस्थ मेला क्षेत्र में स्थाई प्रकृति के निर्माण कार्यों की साधु-संतों से चर्चा कर कार्य योजना बनाएं-एसीएस डॉ.राजौरा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। अपर मुख्य सचिव डॉ.राजेश राजौरा ने उज्जैन सिंहस्थ विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में निर्देश दिए कि सिंहस्थ मेला क्षेत्र में स्थाई प्रकृति के निर्माण कार्यों की सभी साधु-संतों के साथ चर्चा कर कार्य-योजना बनाई जाए। स्थाई संरचनाओं में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आश्रम, पार्किंग, धर्मशाला, भोजनशाला, प्रवचन हॉल, सीवरेज लाइन, रोड़ और वॉटर सप्लाई कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जाए। सिंहस्थ मेला क्षेत्र में नगर विकास योजना की कार्ययोजना तैयार कर कार्य की शुरूआत जून 2025 से युद्ध स्तर पर की जाए। बैठक में सिंहस्थ में वॉटर सप्लाई नेटवर्क की समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि 200

एमएलडी पेयजल क्षमता का मेला क्षेत्र में विकास किया जाएगा। सीवर नेटवर्क डिजाइन के अंतर्गत सिंहस्थ के दौरान मेला क्षेत्र में 160 एमएलडी का सीवरेज जनरेशन होगा, जिसमें 100 एमएलडी क्षमता के स्थाई एसटीपी निर्माण किए जाएंगे और अस्थाई रूप से 60 एमएलडी क्षमता के सीवरेज का निष्पादन किया जाएगा। मेला क्षेत्र के विकास के लिए आगामी 15 अप्रैल तक डीपीआर तैयार कर ली जाएगी। भवन अनुज्ञा का कार्य आगामी 15 जून तक कर लिया जाएगा और 25 जून से कार्य प्रारंभ होगा।

जल संसाधन विभाग के सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत किए जाने वाले कार्यों की समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि कान्ह क्लोज डक्ट परियोजना का 15.50 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। इसकी लागत लगभग 919.94 करोड़ रूपये है, वर्तमान में कुल लागत की 14.57 प्रतिशत वित्तीय प्रगति हो चुकी है। सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना के अंतर्गत डिजाइन और सर्वे का कार्य पूर्ण हो चुका है एवं खुदाई का कार्य जारी है। इसे मई 2027 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। सिंहस्थ महापर्व 2028 के मद्देनजर 778.91 करोड़ रूपये की लागत से 29 घाटों का निर्माण किया जाएगा।

क्षिप्रा नदी को प्रवाहमान बनाए रखने के लिए क्षिप्रा नदी पर बेराजों की श्रंखला का निर्माण किया जा रहा है।

बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व के बाघ छोटा भीम की इलाज के दौरान मृत्यु

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व से घायल अवस्था में वन विहार राष्ट्रीय उद्यान एवं जू भोपाल लाये गये नर बाघ छोटा भीम की रविवार को मृत्यु हो गयी। छोटा भीम को घायल अवस्था में 30 नवम्बर, 2024 को खितौली परिक्षेत्र से रेस्क्यू कर उपचार के लिये बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व उमरिया से भोपाल लाया गया था। पोस्टमार्टम में बाघ छोटा भीम की मृत्यु का कारण कन्जेस्टिव हार्ट फेलियर बताया गया।

खतौली से रेस्क्यू किये गये छोटा भीम के गले में घायल होने का निशान था। उसका उपचार राज्य पशु चिकित्सालय डॉ. एस. के. तुमड़िया, वरिष्ठ वन्य प्राणी डॉ. अतुल गुप्ता, स्वास्थ्य अधिकारी वन विहार डॉ. रजत कुलकर्णी, वन्य प्राणी चिकित्सक वाइल्ड लाइफ एस.ओ.एस. वन विहार, वन्यप्राणी चिकित्सक डॉ. वैभव शुक्ला और साईटस मुख्यालय भोपाल के चिकित्सक दल की निगरानी में किया गया। दो महीने के उपचार के बावजूद बाघ छोटा भीम को नहीं बचाया जा सका।

एनटीसीए नई दिल्ली एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) कार्यालय मध्यप्रदेश, भोपाल से जारी दिशा-निर्देश अनुरूप पोस्टमार्टम की कार्यवाही की गई। पोस्टमार्टम वन्यजीव चिकित्सक डॉ. अतुल गुप्ता, डॉ. प्रशांत देशमुख, डॉ. हमजा नदीम फारुकी और डॉ. रजत कुलकर्णी ने किया। बाघ छोटा भीम के सभी अंग सुरक्षित पाए गए। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार शवदाह भस्मीकरण की कार्यवाही श्री राजेश खरे, मुख्य वन संरक्षक, भोपाल, श्रीमती गीतांजलि अय्यर, आईएफएस संदेश माहेश्वरी, सहायक संचालक वन विहार, उपरोक्त लिखित सभी वन्यजीव विशेषज्ञ, श्री पी.पी. सिंह, श्री अजय शर्मा, डिप्टी कलेक्टर व अन्य की उपस्थिति में की गई।

अनेकता में एकता ही भारत की विशेषता-उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री एवं देवास जिले के प्रभारी मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि अनेकता में एकता ही भारत की विशेषता है। सोनकच्छ में आज समरसता का अद्भुत दृश्य दिखाई दे रहा है, इसके बारे में जितना कहा जाए कम है। सभी के सहयोग से ही इतना बड़ा कार्य सफल होता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना से आज प्रदेश में कई विवाह/निकाह सम्पन्न हो रहे है। मेरा सौभाग्य है कि मैं यहाँ आया हूँ, यहां आकर में गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। उप मुख्यमंत्री एवं प्रभारी मंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

ने सभी वर्गों के लिये योजनाएं बनाई है, योजनाओं का लाभ सभी को समान रूप से मिल रहा है। आयुष्मान योजना से सभी को 05 लाख रूपये तक का निःशुल्क उपचार मिल रहा है। उज्वला योजना से सभी को गैस कनेक्शन दिये गये है। सबके घर नल से जल पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने सभी नव विवाहितों को बधाई दी। उप मुख्यमंत्री मंत्री श्री देवड़ा ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजनांतर्गत कृषि उपज मण्डी प्रांगण सोनकच्छ में सर्वधर्म सामूहिक आयोजित विवाह/निकाह सम्मेलन नवदम्पतियों को जीवन में नए पड़ाव के लिए शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह/निकाह सम्मेलन में 290 हिंदू जोड़ों का विवाह एवं 42 मुस्लिम जोड़ों का निकाह करवाया गया। इसमें 03 जोड़े कल्याणी विवाह योजना एवं 2 जोड़े निश्क्त विवाह योजना से संबंधित है। मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह प्रोत्साहन योजना एवं निशक्त विवाह प्रोत्साहन योजना अंतर्गत 2-2 लाख रूपये का लाभ दिया जायेगा। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह/निकाह सम्मेलन में उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने 49-49 हजार रुपए का चेक वर-वधू को दिया।

खाद्य मंत्री राजपूत ने किया विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सुरखी विधानसभा के छोटे-छोटे गांव आज स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र तथा पक्की सड़कों से जुड़ चुके हैं। कम समय में तेज विकास कार्य करके सुरखी विधानसभा क्षेत्र ने नया इतिहास रचा है। यह बात खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने सुरखी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बहादुरपुर तथा कल्याणपुर में विभिन्न विकास कार्यों के भूमि पूजन के अवसर कहीं।

मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि भाजपा सरकार विकास करने वाली पार्टी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हमारे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सभी वर्गों के विकास के लिए योजनाएं बनाई जा रही हैं। आप सभी के आशीर्वाद से

आपकी सुरखी विधानसभा क्षेत्र में महानगरों जैसी व्यवस्थाएं आपके लिए की जा रही हैं। उन्होंने ग्राम बहादुरपुर में 65 लाख की लागत से उप स्वास्थ्य केंद्र तथा 11 लाख की लागत से आंगनबाड़ी का भूमि पूजन किया। साथ ही 15 लाख की पुलिया निर्माण की घोषणा की। ग्राम कल्याणपुर में मंत्री श्री राजपूत ने कुर्मी पटेल समाज के लिए 55 लाख की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन का भूमि पूजन किया। पटेल कुशवाहा समाज के लिए एक एकड़ करोड़ की जमीन सामुदायिक भवन बनाने के लिए दी गई है। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि कुर्मी पटेल समाज का हर व्यक्ति सरदार है। क्योंकि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने खंड-खंड भारत को अखंड बनाया है और आप सभी उन के वंशज है। आप सभी में प्रतिभा है और देश के निर्माण में पटेल समाज का बहुत योगदान है। हमारे प्रधानमंत्री ने सरदार वल्लभभाई पटेल की विश्व की सबसे बड़ी प्रतिमा बनाकर यह बता दिया कि भाजपा सरकार पटेल साहब के द्वारा किए गए राष्ट्रीय निर्माण तथा सेवा के लिए याद किया है। इस सामुदायिक भवन का नाम सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम पर रखा जाएगा तथा मेरी ओर से यहां सरदार वल्लभभाई पटेल की बड़ी प्रतिमा लगाई जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी राहतगढ़ की स्टेडियम का नाम सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम पर रखा गया है। यह हमारी सरदार पटेल के प्रति श्रद्धा और आप लोगों के प्रति समर्पण है। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

ऑटो पलटने से एक ही परिवार के चार लोग घायल

सीधी में गजरही के पास कुत्ते को बचाने के चक्कर में हुआ हादसा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले में सोमवार दोपहर गजरही के पास तेज रफ्तार ऑटो रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे उसमें सवार एक ही परिवार के चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना दोपहर करीब 12 बजे की है, जब गुप्ता परिवार के सदस्य लौआ देवी मंदिर की यात्रा पर जा रहे थे। ग्राम गजरही के पास अचानक एक कुत्ता ऑटो के सामने आ गया। चालक ने कुत्ते को बचाने का प्रयास किया, जिससे तेज रफ्तार ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया।

हादसे में घायल हुए लोगों की पहचान शिव गुप्ता, रमेश गुप्ता, रूपेश गुप्ता और निर्भय गुप्ता के रूप में हुई है। सभी घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से तत्काल जिला अस्पताल सीधी में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

साइबर क्राइम जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। महारानी लक्ष्मी बाई कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी रीवा मे राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत महाविद्यालय में साइबर क्राइम जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें विश्वविद्यालय थाना प्रभारी मिथिलेश यादव सब इंस्पेक्टर और राज किशोर ए एस आई एवं साइन बानो, महाविद्यालय सहायक संचालक ऋषि मिश्रा, प्राचार्य डॉ अर्चना पटेल, कार्यक्रम अधिकारी अब्दुल सईद खान, अनीशा शर्मा के द्वारा बच्चों को सेफ क्लिक के बारे में जानकारी दी गईद्य एवं साइबर क्राइम विषय पर परिचर्चा हुई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महाविद्यालय सहायक संचालक ऋषि मिश्रा, प्राचार्य डॉ अर्चना पटेल, कार्यक्रम अधिकारी अब्दुल सईद खान, अनीशा शर्मा एवं महाविद्यालय का समस्त छात्रगण एव स्टाफ उपस्थित रहे।

मुआवजे को लेकर किसानों का धरना

100 किसान तीन घंटे कलेक्ट्रेट के बाहर बैठे रहे

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में सिंचाई परियोजना के लिए अधिग्रहीत की गई जमीनों का उचित मुआवजा मांगने के लिए सोमवार को करीब 100 किसानों ने कलेक्टर कार्यालय में धरना दिया। सटई तहसील के 6 गांवों के किसान दोपहर 1:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक कलेक्टर कार्यालय में डटे रहे। हालांकि, कलेक्टर उनसे मिलने नहीं पहुंचे। नैगुवां तालाब और छापर के पास लघु सिंचाई परियोजना के तहत बन रहे तालाब के लिए सिलावट, सटई, बछरौनियां, नैगुवां, पड़रिया और कदवां गांव के 500 किसानों की जमीनें अधिग्रहीत की गई हैं। सरकार इन जमीनों का मुआवजा 3 लाख रुपए प्रति एकड़ की दर से दे रही है, जिसे किसान कम बता रहे हैं।

किसान प्रति एकड़ 10 लाख की मांग कर रहे: किसान नेता राजेंद्र पटेल के अनुसार, प्रभावित किसान या तो 3 लाख रुपए में उतनी ही जमीन किसी अन्य स्थान पर चाहते हैं या फिर 10 लाख रुपए प्रति एकड़ का मुआवजा मांग रहे हैं। किसानों का कहना है कि पिछले तीन सप्ताह में वे कई बार कलेक्टर को आवेदन दे चुके हैं। अपर कलेक्टर जीएस पटेल और राजनगर एसडीएम बलवीर रमण ने किसानों से बातचीत की कोशिश की, लेकिन किसान सीधे कलेक्टर से मिलने पर अड़े रहे। कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने बताया कि वे मीटिंग में व्यस्त हैं और शाम में 5 बजे के बाद किसानों से मुलाकात करेंगे।

ट्रैक्टर का स्टीयरिंग घुमा रही बच्ची नीचे गिरी-दबने से मौत

न्यूट्रल गियर में था, शहडोल में बचाने की कोशिश में दादा घायल

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल में ट्रैक्टर के नीचे दबने से ढाई साल की बच्ची की मौत हो गई। घटना सोमवार सुबह 7 बजे गोहपारू थाना क्षेत्र के बरहा गांव की है। बताया गया कि बच्ची घर के सामने खड़े ट्रैक्टर में खेल रही थी। इसी दौरान बच्ची ने ट्रैक्टर का स्टीयरिंग पकड़कर हिलाना शुरू किया। ट्रैक्टर न्यूट्रल गियर में होने के कारण आगे बढ़ने लगा और बच्ची नीचे गिरकर टायर के नीचे आ गई। बच्ची को बचाने की कोशिश में उसके दादा भी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका वर्तमान में अस्पताल में इलाज चल रहा है।

सूचना के 6 घंटे बाद पहुंची पुलिस: घटना के बाद परिजन बिना पुलिस को सूचित किए शव का अंतिम संस्कार करने की तैयारी में जुट गए। उनका मानना था कि यह घरेलू दुर्घटना है, जिसमें किसी की लापरवाही शामिल नहीं है। हालांकि, गांव के कुछ बुद्धिजीवियों के समझाने पर पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं, क्योंकि सूचना मिलने के बाद भी वह 6 घंटे तक मौके पर नहीं पहुंची। इसके बाद परिजनों को खुद ही बच्ची का शव लेकर अस्पताल जाना पड़ा। अस्पताल से दोबारा पुलिस को सूचना दिए जाने के बाद ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।

गोहपारू थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार से जब इस संबंध में बात की गई तो उन्होंने कहा कि स्टाफ उर्स में व्यस्त था, सूचना जब अस्पताल से मिली तो हमारी टीम मौके पर पहुंच मार्ग कायम कर जांच कर रही है।

दिव्यांग छात्रों द्वारा सरस्वती पूजा का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सोमवार को राजरानी सेवा एवं शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान, छत्रपति नगर, रीवा में सरस्वती पूजा और छात्रों के कलात्मक कौशल का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय न्यास (नेशनल ट्रस्ट) और भारतीय पुनर्वास परिषद, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार से पंजीकृत संस्थान द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दिव्यांग छात्रों द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन, पूजा-अर्चना और वंदना के साथ हुई। इसके पश्चात् छात्रों ने अपने अद्भुत कलात्मक कौशल का प्रदर्शन किया। मानसिक रूप से पिछड़े (बौद्धिक दिव्यांगता) छात्र-छात्राओं तथा श्रवण एवं मूक-बधिर बच्चों ने मनमोहक नृत्य और मधुर गायन प्रस्तुत किए। अस्थि बाधित (हड्डी से संबंधित दिव्यांगता) और सेरेब्रल पाल्सी (सी.पी.) से ग्रसित छात्रों ने मंच पर आकर अपने भावों को सुंदर अभिव्यक्ति दी और कार्यक्रम के विषय पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्र-छात्राओं को प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर संस्थान की संस्थापिका रानी सिंह, कमला सिंह, अध्यक्ष अजय सिंह तथा संचालिका दीप्ति सिंह परिहार विशेष रूप से उपस्थित रहीं। साथ ही विशेष शिक्षिकाएँ नीता रजक, पूनम मिश्रा, साधना पांडे, रंजना सिंह, तरन्नुम निशा, निर्मला सिंह, युवराज सिंह, तिलक राज सिंह, राजेश सिंह सहित संस्थान के सभी दिव्यांग छात्र-छात्राएं कार्यक्रम में शामिल हुए।

सड़क हादसे में महिला की मौत, पति गंभीर

2 साल की भतीजी घायल, बसंत पंचमी पर परिवार के साथ पूजा करने जा रही थी

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के लवकुशनगर थाना क्षेत्र में संजयनगर के पास सोमवार सुबह 9 बजे सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। वहीं, उनके पति गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि उसकी 2 साल की भतीजी को मामूली चोटें आईं।

जानकारी के मुताबिक नरेंद्र रैकवार अपनी पत्नी शिवनी रैकवार (25) और भतीजी के साथ पूजा के लिए भाड़रा गांव जा रहे थे। इस दौरान स्पीड ब्रेकर पर बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में शिवनी की मौके पर ही मौत हो गई। पति नरेंद्र और बच्ची घायल हो गए। घायलों को पहले लवकुशनगर अस्पताल ले जाया गया, जहां से डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में नरेंद्र की हालत गंभीर बनी हुई है।

शिवनी रैकवार, मृतका

बसंत पंचमी पर पूजा करने जा रहे थे: मृतक शिवनी लाखेरी की रहने वाली थी। जिसकी एक साल पहले नरेंद्र से शादी हुई थी। दुर्घटना के समय परिवार के अन्य सदस्य ससुर गजाधर, जेठानी गीता और सास मुग्गी दूसरी बाइक पर सवार थे। ससुर गजाधर ने बताया कि वे सभी बसंत पंचमी के अवसर पर पूजन के लिए जा रहे थे।

लवकुशनगर थाना प्रभारी परशुराम डाबर ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने मृतका का पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

कोयला जलाने से एक व्यक्ति की मौत

बंद कमरे में निकली जहरीली से गई जान, 2 महीने में 4 लोगों ने गंवाई जान

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले के बलियारी क्षेत्र में यहां एक मजदूर की कोयले से निकलने वाली जहरीली गैस कार्बन मोनोआक्साइड से मौत हो गई। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के निवासी राकेश पनिका के रूप में हुई है।

तीन दिन से कमरे का दरवाजा बंद देख आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। बैढ़न थाना प्रभारी अशोक सिंह परिहार के नेतृत्व में पहुंची पुलिस ने जब दरवाजा खोला तो राकेश का शव बिस्तर पर पड़ा मिला। कमरे में एक जलती हुई कोयले की भट्टी भी मिली।

खाना बनाने के बाद कोयले की भट्टी कमरे में रखी: प्रारंभिक जांच में सामने आया कि राकेश ने खाना बनाने के बाद कोयले की भट्टी को कमरे में ही रख दिया और दरवाजा बंद करके सो गया। बंद कमरे में कोयले से निकली जहरीली गैस कार्बन मोनोआक्साइड के कारण उसकी मौत हो गई। मृतक अकेला रहता था, जिस कारण घटना का पता तीन दिन बाद चला। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पिछले दो महीने में कोयले से निकलने वाली जहरीली गैस के कारण यह चौथी मौत है। प्रशासन लगातार लोगों को चेतावनी दे रहा है कि ठंड से बचने के लिए बंद कमरे में कोयला न जलाएं, क्योंकि इससे निकलने वाली कार्बन मोनोआक्साइड गैस जानलेवा हो सकती है।

वेटलैंड दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रविवार को महाविद्यालयीन इको क्लब और महाविद्यालयीन एन सी सी, एन एस एस की इकाई के संयुक्त प्रयास से महाविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय वेटलैंड दिवस पोस्टर प्रतियोगिता के आयोजन,वृक्षारोपण कार्यक्रम के साथ दिलाई गई पर्यावरण को स्वास्थ्य और सुरक्षित रखने की शपथ तथा पोस्टर प्रतियोगिता में चयनित छात्राओं को किया गया सम्मानित प्राचार्य डॉ. मेजर विभा श्रीवास्तव के मार्गदईशन ,ईको क्लब प्रभारी डॉ. इला तिवारी, एन सी सी अधिकारी डॉ. शिल्पा शर्मा एन एस एस प्रभारी डॉ. वनिता धुर्वे एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. करुणा शंकर मिश्र के सहयोग से संपन्न हुआ यह राष्ट्रीय वेटलैंड दिवस

प्राचार्य द्वारा पर्यावरण के प्रति सब की जवाबदेही और शासन की नीति और मंशा पर विस्तार से प्रकाश डाला गया एन सी सी अधिकारी डॉ.शिल्पा शर्मा द्वारा पर्यावरण के प्रति एन सी सी कैडेट्स की भूमिका और पर्यावरणीय महत्व पर प्रकाश डाला गया कार्यक्रम के संयोजक डॉ. करुणा शंकर मिश्र द्वारा इको क्लब के उद्देश्य और राष्ट्रीय वेटलैंड दिवस की प्रासंगिकता पर विस्तार से चर्चा की गई कार्यक्रम में महाविद्यालयीन अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ काफी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

ऑनलाइन एफआईआर की जानकारी निकालकर, ठगी का प्रयास

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले में साइबर अपराधियों ने ठगी का एक नया तरीका ईजाद किया है। सोमवार को बुढ़ार थाना क्षेत्र में सामने आए मामले में साइबर ठगों ने ऑनलाइन दर्ज एफआईआर की जानकारी का दुरुपयोग करने का प्रयास किया।

घटना में लखेरन टोला निवासी कृष्ण कुमार चतुर्वेदी को एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन किया, जो खुद को शहडोल एसपी कार्यालय का अधिकारी बता रहा था। उसने पहले कृष्ण कुमार के खिलाफ दर्ज मारपीट के मामले का जिक्र किया और फिर जेल जाने से बचने के लिए पैसों की मांग की।

हालांकि, कृष्ण कुमार ने सतर्कता दिखाते हुए बुढ़ार पुलिस से संपर्क किया, जिससे वह ठगी का शिकार होने से बच गए।

बुढार थाना प्रभारी संजय जायसवाल ने बताया, साइबर अपराधी पहले ऑनलाइन एफआईआर की जानकारी प्राप्त करते हैं।

फिर पीड़ितों से संपर्क कर उनके खिलाफ दर्ज केस का हवाला देकर उन्हें धमकाते हैं और कानूनी कार्रवाई से बचाने के नाम पर पैसे ऐंठने का प्रयास करते हैं। कई लोग इस तरह की ठगी का शिकार हो जाते हैं, जबकि जागरूक नागरिक पुलिस से संपर्क कर इससे बच जाते हैं।

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी अनजान कॉल पर विश्वास न करें और ऐसी धमकियों की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दें।

बसंत पंचमी पर छात्राओं का डांस वीडियो

स्कूल में भोजपुरी गाने 'कमरिया डोले-डोले राजा जी' पर ठुमके लगाए, जांच के आदेश

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल की छात्राओं का क्लास रूम में एक भोजपुरी गाने पर डांस करने का वीडियो सामने आया है। वायरल वीडियो में छात्राएं क्लास की बेंच पर चढ़कर 'कमरिया डोले-डोले राजा जी' पर डांस करती हुई दिखाई दे रही हैं। मामला 31 जनवरी को सिंगरौली के सरई का है। इस दिन स्कूल में सरस्वती पूजा और 12वीं पास छात्रों के लिए फेयर वेल कार्यक्रम चल रहा था। तभी छात्राओं ने क्लास रूम में ठुमके लगाए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी एसबी सिंह ने स्कूल को प्रिसिंपल ललिल द्विवेदी को मामले में जांच के आदेश दिए हैं।

दरअसल, सिंगरौली थानाक्षेत्र में सरई के शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल में 31 जनवरी को बसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजन और 12वीं क्लास के बच्चों का फेयरवेल कार्यक्रम रखा गया था। उसी दिन 12वीं क्लास की छात्राओं ने क्लास रूम के अंदर भोजपुरी गाने पर सामूहिक रूप से डांस किया था।

जिसका वीडियो सामने आने के बाद ? प्रिंसिपल ललित द्विवेदी ने कहा, कि छात्राओं का डांस मुख्य कार्यक्रम का हिस्सा नहीं थी। उन्होंने बताया कि छात्राएं अपनी कक्षा में बिना किसी शिक्षक की उपस्थिति में डांस कर रही थीं। प्रिंसिपल द्विवेदी ने बताया कि अश्लील गाने के कारण उन्होंने छात्राओं को फटकार भी लगाई गई है।

डीईओ बोले- स्कूल स्टाफ की भूमिका की जांच होगी: इधर, मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी एसबी सिंह ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा- विद्यालय के प्रिंसिपल ललित द्विवेदी को नोटिस जारी कर वीडियो की प्रामाणिकता और स्कूल स्टाफ की भूमिका की जांच की जाएगी। यदि जांच में स्कूल स्टाफ का संलिप्त होना पाया जाता है, तो उचित कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने शातिर अपराधी राहुल रसिया को अपहरण कर मारपीट के मामले में किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनकर के निर्देशन में थाना प्रभारी अमहिया शिवा अग्रवाल ने थाना स्टाफ के साथ मिलकर अपहरण कर मारपीट करने वाले आरोपी राहुल रसिया को गिरफ्तार कर पेश न्यायालय किया गया जहां से न्यायालय द्वारा जेल भेज दिया गया हैं।

जानकारी के मुताबिक फरियादी बृजेश विश्वकर्मा पिता रामकुमार विश्वकर्मा निवासी ग्राम भटनवारा थाना उचेहरा जिला सतना हाल मुनीम जी के मकान में किराये का कमरा पुष्पराजनगर वार्ड नंबर 2 रीवा थाना सिटी कोतवाली जिला रीवा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि का ठेला लगाता है। रोज की तरह रात में ठेला बंद करके सामान समेट रहा था उसी समय एक पल्सर मोटरसायकल से अमहिया के टिंकू खान व शेखू अंसारी तथा एक स्कूटी से राहुल रसिया एवं राशिद अंसारी जिन्हे मैं अक्सर चौपाटी में आने से जानता पहचानता हूँ चौपाटी के अंदर आये थे। शेखू अंसारी निवासी अमहिया का अपने हाथ में तलवार लिये हुये थे जो तलवार लहराते हुये बोल रहा था चौपाटी वालों के भाव काफी बढ़ गये हैं आज इनका भाव ठीक करना है तब मैं बोला कि भाई गाली क्यों दे रहे हो तब मुझे गाड़ी में बैठाकर ले गए और एक जगह चारों ने मेरे साथ मारपीट की और मुझे छोड़कर भाग गए। पुलिस में शिकायत पर आरोपियो के विरूद्ध अपराध कायम किया जाकर विवेचना में लिया गया। पूर्व में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर पेश न्यायालय किया गया। मुखबिर की सूचना पर 2 फरवरी को आरोपी राहुल रजक उर्फ राहुल रसिया पिता हरीश रजक निवासी रसिया मोहल्ला थाना सिविल लाइन जिला रीवा को बड़ी दरगाह के सामने अमहिया रोड से गिरफ्तार कर पेश न्यायालय गया है।

तीन दिवसीय नर्मदा महोत्सव शुरू, महुआ लड्डू से लेकर कश्मीरी शॉल तक की दुकानें, 14 जिलों से आए विक्रेता

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। अनूपपुर के अमरकंटक में तीन दिवसीय नर्मदा महोत्सव की शुरुआत सोमवार से हो गई है। इस महोत्सव में 14 जिलों से आए लोगों ने 21 स्टॉल लगाए। वन और पर्यावरण राज्य मंत्री और अनूपपुर जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार ने पहले दिन सभी स्टॉल का निरीक्षण किया।

3 से 5 फरवरी तक चलने वाले इस महोत्सव में भोपाल, जबलपुर, कटनी, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर, मंडला, डिंडौरी, सीधी और सिंगरौली समेत कई जिलों के विक्रेता अपने उत्पाद बेच रहे हैं। स्टॉल में स्थानीय कला और संस्कृति को दर्शाते विशेष उत्पाद हैं। इनमें महुआ के लड्डू, बैगा और गोंडी

पेंटिंग, अमरकंटक की कोदो और कोदो कुकीज प्रमुख हैं।

प्रभारी मंत्री ने कहा, यह मेला स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच दे रहा है। यहां आर्टिफिशियल ज्वेलरी से लेकर जूट बैग, संगमरमर की कलाकृतियां, विभिन्न मसाले, लौह शिल्प, हैंडलूम उत्पाद, दरी, कालीन, घरेलू सजावट की वस्तुएं और कश्मीरी शॉल तक उपलब्ध हैं। महोत्सव में आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को विभिन्न जिलों के उत्पादों को एक ही जगह पर देखने और खरीदने का मौका मिल रहा है।

मां नर्मदा की शोभायात्रा निकाली, जनजातीय कलाकारों ने सैला कर्मा नृत्य किया

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। अनूपपुर में नर्मदा उत्सव के पहले दिन मां नर्मदा की शोभा यात्रा निकाली गई। मध्य प्रदेश के वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार ने पूजा-अर्चना के साथ यात्रा का शुभारंभ किया।

यात्रा पंडित दीनदयाल चौक से शुरू होकर थाना और बस स्टैंड होते हुए नर्मदा मंदिर तक पहुंची। मार्ग में श्रद्धालुओं ने "नर्मदे हर एवं त्वदीय पाद पंकजम" और "नमामि देवी नर्मदे" के जयघोष के साथ मां नर्मदा की पालकी पर पुष्प-वर्षा की।

शोभा यात्रा में स्थानीय जनजातीय कलाकारों ने सैला कर्मा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। ढोल,

नगाड़ा, टिमकी, बांसुरी, मंजीरा और चटकोला जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धुन पर कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

विभिन्न भजन मंडलियों ने भी आकर्षक नृत्य और भजनों की प्रस्तुतियां दीं। सैकड़ों श्रद्धालु झांझ, मंजीरे, ढोल और डमरू बजाते हुए पालकी के साथ चलते रहे। यात्रा का समापन नर्मदा मंदिर में हुआ, जहां नर्मदा नदी के जल से मां का अभिषेक और पूजन-अर्चन किया गया।

विचार

महाकुम्भ में सेवाभाव की जरुरत

महाकुम्भ 25 में अधिकतर श्रद्धालु अपनी पत्नियों के साथ गंगा में डुबकी लगा रहे हैं। जिससे उनका रिश्ता अगले सात जन्मों तक ऐसा ही चलता रहे, लेकिन से महाकुंभ को लेकर एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसके कारण पति और पत्नी के बीच तलाक की नौबत बन गई है। 55 वर्षीय पति ने तलाक के लिए फैमिली कोर्ट में आवेदन किया है।

इस मामले में पति नहीं चाहता था, कि पत्नी महाकुंभ में नहाने जाए। इसके बावजूद पत्नी अपनी इच्छा से सहेलियों के साथ प्रयागराज पहुंच गई। जिसके कारण पति नाराज हो गया। उसने फैमिली कोर्ट में तलाक के लिए आवेदन भी कर दिया। इसमें उसने लिखा है, कि उसे साध्वी नहीं, ऐसी पत्नी चाहिए जो संजने और संवरने के साथ उसकी इच्छाओं का भी ख्याल रखे। जबकि इस मामले में पत्नी का कहना है, कि उसमें कोई बुराई नहीं है और वो पति के लिए अपनी वेशभूषा में बदलाव नहीं कर सकती है इसमें मैं यदि किसी के बारे में कुछ लिखूंगा तो ठीक नहीं होगा दरअसल इसमें किसी का दोष है तो वो नासमझी का क्योंकि क़ोई भी शुभ कार्य दोनों के द्वारा नहीं होता है तो शुभ नहीं है लेकिन अब पहले जैसी बात बिल्कुल नहीं है यह बात समाज में गई होगी जिससे पति परेशान होगा और ऐसा कदम उठाने पर मजबूर हुआ इसमें किसी पक्ष का दोष नहीं है ऐ सिस्टम का दोष है वो जमाना गया जब क़ोई पतीव्रता स्त्री मिलेगी शादी से पहले सभी एक दूसरे की जीने मरने की कसम खाते हैं बाद में पलट जाते हैं किसी भी पत्नी को जब पति दुनिया में नहीं होता तब यह अहसास होता है जब सभी लोग उसका मज़ाक उड़ाते हैं लेकिब आप किसी को दबा कर तो नहीं रख सकते हैं बहुत पहले गाँव में मैंने खुद देखा हैं पति को क़ोई बीमारी हो गया तो पत्नी डॉ के सामने रोने लगती है यदि मान सम्मान की बात की जाए तो रिश्ता तभी बनता है यदि दोनों हाथ से ताली बजते हैं और यह सही है कि यदि दोनों स्नान करें तो शायद आगे भी उसको वही पति मिले ऐ शास्त्र में साफ साफ लिखा है पति का गुस्सा होना जायज है लेकिन इस मामले को शांति से लेना चाहिए क्योंकि अगर उसको पति से ज्यादा महाकुम्भ लगता है तो सही नहीं है क्योंकि आप उसके साथ जीने मरने की सात फेरे लेते हैं बाद में अपने विवेक से काम ना कर महाकुम्भ 25 को इतना ज्यादा महत्व देते हैं जैसे भगवान आ गए हैं इस पर एक जोख क्ल लिख रहा हूँ एक जज से मैंने पूछा सर, इसने मर्डर किया है अपराधी जेल में होगा या नहीं क्योंकि वह महा कुम्भ में सारे पाप धो दिया है माफ़ कर दिजिये, जज ने कहा पागल हैं क्या? क्या महाकुम्भ में नहाने से पाप धुलते हैं क्या?

वित्तीय वर्ष 2025–26 का अग्रणी, पथप्रदर्शक एवं अतुलनीय बजट

प्रह्लाद सबनानी

दिनांक 1 फरवरी 2025 को केंद्र सरकार की विामंत्री निर्मला सीतारमन ने वि वर्ष 2025-26 के लिए लोकसभा में बजट पेश किया। सीतारमन ने एक महिला विामंत्री के रूप में लगातार 8वां बजट लोकसभा में पेश कर एक रिकार्ड बनाया है। विामंत्री द्वारा लोक सभा में पेश किया गया बजट अपने आप में पथप्रदर्शक, अग्रणी एवं अतुलनीय बजट कहा जा रहा है योंकि इस बजट के माध्यम से किसानों, युवाओं, महिलाओं, गरीब वर्ग एवं मध्यम वर्ग का विशेष ध्यान रखा गया है। पिछले कुछ समय से देश की अर्थव्यस्था में विकास की गति कुछ धीमी पड़ती हुई दिखाई दे रही थी अतः विशेष रूप से मध्यम वर्ग एवं गरीब वर्ग के हाथों में अधिक धनराशि शेष बच सके ताकि वे विभिन्न उत्पादों को खरीदकर अर्थव्यवस्था में इनकी मांग बढ़ा सकें, ऐसा प्रयास इस बजट के माध्यम से किया गया है। साथ ही, भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के उद्देश्य से रोजगार उन्मुख क्षेत्रों यथा कृषि क्षेत्र, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग, निवेश, निर्यात एवं समावेशी विकास जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि इन्हें विकास के इंजिन के रूप में विकसित किया जा सके।

भारत में मध्यमवर्गीय परिवार देश की अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता आया हैं। हाल ही के समय में प्रत्यक्ष कर संग्रहण में व्यक्तिगत आयकर की भागीदारी कारपोरेट क्षेत्र से आयकर की भागीदारी से भी अधिक हो गई है। अतः मोदी सरकार से अब यह अपेक्षा की जा रही थी कि मध्यमवर्गीय परिवारों को बजट के माध्यम से कुछ राहत दी जाय। और फिर, मुद्रा स्फीति की सबसे अधिक मार भी गरीब वर्ग के परिवारों एवं मध्यमवर्गीय परिवारों पर ही पड़ती दिखाई देती है। केंद्रीय वित्तमंत्री ने मध्यमवर्गीय परिवारों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से आयकर की वर्तमान सीमा को 7 लाख रुपए से बढ़ाकर 12 लाख रुपए कर दिया है। अर्थात अब 12 लाख रुपए तक की आय अर्जित करने वाले नागरिकों पर किसी भी प्रकार का आयकर नहीं लगेगा। वेतन एवं पेंशन पाने वाले नागरिकों को 75,000 रुपए की स्टैंडर्ड कटौती की राहत इसके अतिरिक्त प्राप्त होगी। इस वर्ग के करदाताओं को 12.75 लाख रुपए तक की वार्षिक आय पर कोई आयकर नहीं चुकाना होगा। इसके साथ ही, आय कर की दरों में भी परिवर्तन किया गया है। अब 4 लाख रुपए तक की करयोग्य आय पर आयकर की दर शून्य रहेगी। 4 लाख रुपए से 8 लाख रुपए तक की करयोग्य आय पर आयकर की दर 5 प्रतिशत, 8 लाख रुपए से 12 लाख रुपए तक की कर योग्य आय पर आयकर की दर 10 प्रतिशत, 12 लाख रुपए से 16 लाख रुपए तक की कर योग्य आय पर आयकर की दर 15 प्रतिशत, 16 लाख रुपए से 20 लाख रुपए तक की कर योग्य आय पर आयकर की दर 20 प्रतिशत, 20 लाख रुपए से 24 लाख रुपए तक की कर योग्य आय पर आयकर 25 प्रतिशत एवं 24 लाख रुपए से अधिक की कर योग्य आय पर 30 प्रतिशत की दर से आयकर लागू होगा।

मध्यमवर्गीय करदाताओं को उक्त सुधारों से लगभग 80,000 रुपए से 1.10 लाख रुपए तक की राशि की बचत होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इस सुधार से कुल मिलाकर देश के बजट में एक लाख करोड़ रुपए की राशि कम प्राप्त होगी अर्थात मध्यमवर्गीय परिवारों को कुल एक लाख करोड़ रुपए की भारी भरकम राशि का लाभ होगा। और, यह लाभ लगभग 2 करोड़ करदाताओं को होने की सम्भावना है। इससे देश के मध्यमवर्गीय एवं गरीब परिवारों के हाथों अतिरिक्त राशि उपलब्ध होगी जिसे वे विभिन्न उत्पादों की खरीद पर खर्च करेंगे और देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में सहायक होंगे। मध्यमवर्गीय एवं गरीब परिवारों ने जितना सोचा था शायद उससे भी कहीं अधिक राहत उन्हें इस बजट के मध्यम से दी गई है। इसीलिए ही, इस बजट को अग्रणी, पथप्रदर्शक एवं अतुलनीय बजट की संज्ञा दी जा रही है।

मध्यमवर्गीय एवं गरीब परिवारों को, आयकर में छूट देकर, दी गई राहत देते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि इससे बजटीय घाटा में वृद्धि नहीं हो। वित्तीय वर्ष 2024–25 में बजटीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 5.9 प्रतिशत रहने की सम्भावना पूर्व में की गई थी, परंतु अब संशोधित अनुमान के अनुसार यह बजटीय घाटा कम होकर 5.8 प्रतिशत रहने की सम्भावना है। साथ ही, वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए बजटीय घाटा 5.4 रहने का अनुमान लगाया गया है। अत: देश की वित्तीय व्यवस्था पर किसी भी प्रकार का विपरीत प्रभाव नहीं पड़ने जा रहा है। हां, पूंजीगत खर्चों में जरूर कुछ कमी रही है और वित्तीय वर्ष 2024–25 में 11.11 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्च के अनुमान के विरुद्ध 10.18 लाख करोड़ रुपए का पूंजीगत खर्च होने की सम्भावना व्यक्त की गई है। हालांकि वित्तीय वर्ष 2025–26 में 11.12 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्च की व्यवस्था बजट में की गई है। इस राशि को 11.11 लाख करोड़ रुपए से बढ़ाकर वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए 15 लाख करोड़ रुपए किया जाना चाहिए था क्योंकि पूंजीगत खर्च में वृद्धि से देश में आर्थिक विकास की दर तेज होती है और रोजगार के नए अवसर निर्मित होते हैं। इस संदर्भ में एक रास्ता यह निकाला गया है कि केंद्र सरकार के उपक्रमों एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियों से अपेक्षा की गई है कि वित्तीय वर्ष 2025–26 में ये संस्थान भी अपने पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करें ताकि उनके द्वारा किए गए पूंजीगत खर्चों की राशि को मिलाकर कुल पूंजीगत खर्च को 15 लाख करोड़ रुपए से ऊपर ले जाया जाए।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के उद्देश्य से राज्यों के साथ मिलकर कृषि धन धान्य योजना को 100 जिलों में प्रारम्भ किया जा रहा है, इस योजना के माध्यम से इन जिलों में ली जा रही फसलों की उत्पादकता में वृद्धि करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। दलहन के उत्पादन में आत्म निर्भरता प्राप्त करने के लिए 6 वर्षीय मिशन चलाया जाएगा। किसान क्रेडिट कार्ड की ऋण सीमा को 5 लाख तक बढ़ाया जा रहा है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ऋण सीमा को 5 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपए एवं स्टार्टअप के लिए ऋण की सीमा को 10 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 20 करोड़ रुपए किया जा रहा है। लेदर उद्योग में रोजगार के 22 लाख नए अवसर निर्मित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। भारत को खिलौना उत्पादन का अंतरराष्ट्रीय केंद्र बनाया जाएगा। यूरिया उत्पादन के क्षेत्र में भारत को आत्म निर्भर बनाया जाएगा। आज भारत खाद्य तेलों का भारी मात्रा में आयात करता है अत: तलहन के क्षेत्र में भी आत्म निर्भरता हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।। भारत में निर्मित विभिन्न उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए बाजारों की तलाश करते हुए विभिन्न देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापारिक समझौते सम्पन्न किए जा रहे हैं। देश में बीमा क्षेत्र को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत विदेशी निवेश की अनुमति प्रदान की जा रही है। विभिन्न शहरों में आधारभूत संरचना के विकास के लिए एक लाख करोड़ रुपए का एक विशेष फंड बनाया जा रहा है।

युवाओं में कौशल विकास के लिए अतिरिक्त प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही, आगामी 5 वर्षों में देश के मेडिकल कॉलेजों में 75,000 युवाओं को अतिरिक्त दाखिला दिए जाएंगे। इंडियन इन्स्टिटूट आफ टेक्नॉलजी कॉलेजों में टेक्नलाजिकल रीसर्च के लिए 10,000 पी एम स्कालर्शिप प्रदान की जाएंगी एवं नए आईआईटी केंद्रों की स्थापना भी की जाएगी। आरटीफिशियल इंटेलीजेंस सेंटर को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 500 करोड़ रुपए की सहायता राशि प्रदान की जाएगी।

श्री अयोध्या धाम, महाकुम्भ क्षेत्र प्रयागराज, काशी विश्वनाथ मंदिर वाराणसी, महाकाल मंदिर उज्जैन की तर्ज पर अन्य धार्मिक स्थलों को भी विकसित किया जाएगा ताकि देश में धार्मिक पर्यटन की गतिविधियों को और अधिक आगे बढ़ाया जा सके। देश में 52 नए पर्यटन केंद्र भी विकसित किए जाने की योजना बनाई गई है तथा भगवान बुध सर्किट भी विकसित किया जाएगा।

क्या डॉलर के दम पर चीन जैसे भस्मासुर से निबटेगा अमेरिका?

कमलेश पांडे

चीन दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश बनना चाहता है और ऐसा वह उस अमेरिका की कीमत पर करना चाहता है जिसने उसके नवनिर्माण और समुत्थान में महती भूमिका निभाई है। हालांकि अमेरिका भी इसे भलीभांति समझ चुका है और समुपस्थित विभिन्न परिस्थितियों से निपटने के लिए रणनीतिक रूप से आगे बढ़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रूबियो के डॉलर की चिंता और उसके लिए जिम्मेदार चीन सम्बन्धी हालिया बयानों पर जब आप गौर करेंगे तो यह समझ जाएंगे कि अमेरिका की चिंता सिर्फ डॉलर की गिरती साख को ही बचाने की नहीं है बल्कि वह सोवियत संघ की भांति ही अब चीन को भी निबटाने की रणनीति पर फोकस कर चुका है। ऐसे में सुलगता सवाल यह है कि क्या अमेरिका सिर्फ डॉलर के दम पर चीन जैसे भस्मासुर से निबटेगा या फिर कुछ अन्य मौजूं उपाय भी करेगा! उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अमेरिकी डॉलर की जगह किसी और मुद्रा के इस्तेमाल की कवायद जिस तरह से चीन कर–करवा रहा है और इस नजरिए से ब्रिक्स देशों यानी रूस–ब्राजील आदि को ढाल बनाए हुए है, उससे अमेरिका भड़क चुका है और सम्बन्धित देशों को खुलेआम धमकियां देनी भी शुरू कर दी है। चीन के खिलाफ ताइवान का हथकंडा और दक्षिण चीन सागर विवाद को शह देने और रूस के खिलाफ यूक्रेन को भड़काते रहने और नाटो देशों से सहयोग दिलवाने के पीछे की व्यापक रणनीति भी तो इसी बात की चुगली करती है। वहीं, ब्रिक्स देशों की सम्भावित वैकल्पिक मुद्रा से डॉलर के समक्ष उतपन्न होने वालों खतरों के सम्भावित दुष्परिणामों के बारे में अमेरिका ने जिस तरह से आगाह करना शुरू कर दिया है, उससे भारत समेत कतिपय ब्रिक्स देश भी सकते में हैं, आशंकित हैं और अपने बचाव में तर्क भी दे चुके हैं। गौरतलब है कि पिछले कुछ वर्षों में जब ब्रिक्स के कुछ सदस्य देश विशेष रूप से चीन–रूस अमेरिकी डॉलर का विकल्प या ब्रिक्स मुद्रा की मांग कर रहे हैं, तब भारत %डी–डॉलराइजेशन% यानी विश्व व्यापार और वित्तीय लेनदेन में डॉलर के उपयोग में कमी% के खिलाफ है। दिसम्बर 2024 में ही भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि भारत कभी भी डी–डॉलराइजेशन के पक्ष में नहीं रहा है व ब्रिक्स मुद्रा बनाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ने चेतावनी दी है कि अगर ब्रिक्स देश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अमेरिकी डॉलर की जगह किसी और मुद्रा के इस्तेमाल का प्रयास करेंगे तो वह उन पर 100 प्रतिशत शुल्क लगा देंगे। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि ब्रिक्स देश डॉलर से दूर जाने की कोशिश करें और हम खड़े होकर बस देखते रहें, इस तरह के विचारों के दिन लद चुके हैं। लिहाजा, वह ब्रिक्स देशों से यह प्रतिबद्धता चाहते हैं कि वे न तो नई मुद्रा बनाएंगे और न ही किसी अन्य मुद्रा का समर्थन करेंगे।

वहीं, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने भी कहा है कि इस मसले पर चीन से हमें निबटना होगा। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया है कि हम इस मुद्दे पर युद्ध नहीं चाहते हैं, लेकिन हम इस पर गौर करने जा रहे हैं। क्योंकि चीन दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश बनना चाहता है और वे ऐसा हमारी कीमत पर करना चाहते हैं। इससे निपटना होगा। बता दें कि चीन की वैश्विक रणनीति को लेकर अमेरिका अब सजग

हो चुका है और आर्कटिक व दक्षिण अमेरिका में चीनी गतिविधियों से उतपन्न खतरे को निर्मूल करने के लिए ही ग्रीनलैंड पर कब्जा करने, पनामा नहर पर पुन: नियंत्रण पाने और कनाडा को अमेरिका में मिलाने जैसी दूरदर्शिता भरी रणनीति का आगाज समय रहते ही कर चुका है, भले ही वह पहले जितना आसान नहीं हो।

जानकार बताते हैं कि रूस–चीन–ब्राजील जैसे ब्रिक्स देश अमेरिकी डॉलर और यूरो पर अपनी निर्भरता कम करना चाहते हैं। इसी नजरिए से साल 2022 में 14वें ब्रिक्स समिट के दौरान रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि सदस्य देश नई रिजर्व करेंसी शुरू करने की योजना बना रहे हैं। इसके अलावा, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने भी डॉलर के दबदबे को कम करने के लिए ब्रिक्स करेंसी बनाने का सुझाव दिया था। क्योंकि आंकड़े बताते हैं कि वैश्विक मुद्रा भंडार के रूप में डॉलर का हिस्सा 59 प्रतिशत है, जबकि दुनिया के कुल कर्ज में 64 प्रतिशत का लेनदेन डॉलर में होता है। वहीं, अंतर्राष्ट्रीय लेनदेन में भी डॉलर की 58 प्रतिशत हिस्सेदारी है। खास बात यह है कि यूरोपीय संघ बनने और उसकी मुद्रा यूरो के अस्तित्व में आने के बाद से डॉलर के दबदबे में कमी आई है, लेकिन अभी भी यह सबसे अधिक चलन वाली मुद्रा बनी हुई है। ऐसे में यदि ब्रिक्स देश भी कोई नई मुद्रा ले आते हैं तो इससे डॉलर का मूल्य घटेगा। शायद इसलिए अमेरिका अब चौकन्ना हो चुका है और इस नए सम्भावित संकट से निबटने के लिए साम–दाम–दंड–भेद की नीति अख्तियार कर लिया है। उसकी ताजा धमकियां इसी बात की चुगली कर रही हैं। ब्रिक्स देशों के बीच भारत के परिवर्तित स्टैंड से भी उसे राहत मिली है। उल्लेखनीय है कि ब्रिक्स देश दुनिया के उन दस महत्वपूर्ण देशों का संगठन है, जो पश्चिमी देशों के जी–7 और नाटो जैसे दबंग देशों से समान प्रतिस्पर्धा करने के लिए खुद को एकजुट किये हुए हैं। वर्ष 2009 में स्थापित ब्रिक्स समूह में भारत, ब्राजील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिश्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) नामक देश शामिल हैं। चूंकि यह एक ऐसा अंतरराष्ट्रीय समूह है, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका यानी यूएसए को शामिल नहीं किया गया है। इसी वजह से वह इस पर बिफरा रहता है।

बता दें कि ब्रिक्स के सदस्य देशों की अर्थव्यवस्था 25.5 ट्रिलियन से अधिक है जो वैश्विक अर्थव्यवस्था का 28 प्रतिशत है। विश्व बैंक के 2023 के आंकड़ों के मुताबिक, ब्रिक्स देशों की जीडीपी, ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर में इस प्रकार है– चीन– 17.79, भारत– 3.55, ब्राजील– 2.17, रूस– 2.02, यूएई– 0.5, मिश्र– 0.4, ईरान– 0.4, दक्षिण अफ्रीका– 0.37 और इथियोपिया– 0.16. वहीं, यूएन ट्रेड डाटाबेस के 2023 के आंकड़ों से पता चलता है कि ब्रिक्स देशों के साथ अमेरिका का व्यापार अरब यूएस डॉलर में इस प्रकार है

बीजेपी नेता और छालीवुड एक्टर अवस्थी का निधन

गरियाबंद में चुनाव प्रचार के दौरान आया हार्ट अटैक, रायपुर में होगा अंतिम संस्कार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ी एक्टर और बीजेपी नेता राजेश अवस्थी का हार्ट अटैक से निधन हो गया है। बताया जा रहा है कि, गरियाबंद में रविवार रात को नगरीय निकाय चुनाव के प्रचार के दौरान अचानक उनके सीने में दर्द उठा। जिला अस्पताल ले जाने पर डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया गया। राजेश अवस्थी (41) छत्तीसगढ़ी फिल्म विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं। डॉ. रमन सिंह सरकार के समय में छत्तीसगढ़ फ़िल्म विकास निगम बना था। राजेश अवस्थी फिल्म निगम के पहले अध्यक्ष थे। आज सोमवार दोपहर 1 बजे रायपुर के महादेव घाट में राजेश अवस्थी का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

गरियाबंद के रहने वाले थे राजेश: राजेश अवस्थी गरियाबंद के रहने वाले थे। वो फिलहाल रायपुर में भी रह रहे थे। उन्होंने राजनीतिक शास्त्र में ग्रेजुएशन और कंप्यूटर साइंस में पोस्ट ग्रेजुएशन किया था। हालांकि गरियाबंद निवासी होने के चलते यहां की हर राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय रहते थे। नगरीय निकाय चुनाव के दौरान भी लगातार गरियाबंद में सक्रिय रहे।

देर रात डॉक्टर ने मृत घोषित किया: रविवार को राजेश भाजपा के समर्थन में डोर टू डोर प्रचार में लगे थे। रात 11 बजे सीने में दर्द उठने पर उन्हें गरियाबंद जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टर हरीश चौहान ने उन्हें 11.28 बजे डेथ घोषित कर दिया। आशंका जताई गई है कि हार्ट अटैक से मौत हुई है।

सीएम साय बोले- छत्तीसगढ़ी फिल्म उद्योग के लिए अपूरणीय क्षतिः मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि, छत्तीसगढ़ी फिल्मों के प्रसिद्ध अभिनेता एवं निर्माता, भारतीय जनता पार्टी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक राजेश अवस्थी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। उनका निधन छत्तीसगढ़ी फिल्म उद्योग के लिए अपूरणीय क्षति है।

प्रदेश अध्यक्ष बोले- हमने समर्पित कार्यकर्ता खो दिया: भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि, आज हम सब बहुत दुखी हैं। शोक में है। हमारी पार्टी के सिपाही, बीजेपी के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक, छत्तीसगढ़ के गौरव राजेश अवस्थी का निधन समाचार मिलने से मन बहुत आहत है। हमने एक बेहद समर्पित कार्यकर्ता खो दिया है। जिसकी भरपाई कभी नहीं हो सकेगी। मैं भगवान से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। परिवार जनों को इस भारी दुख को सहने की शक्ति मिले। ऐसी भगवान के चरणों में प्रार्थना है।

बीजेपी ने रद्द किया कार्यक्रम: भाजपा नेता राजेश अवस्थी के निधन के चलते सोमवार को दोपहर 12 बजे होने जा रहे घोषणा पत्र लॉन्च कार्यक्रम को बीजेपी ने स्थगित कर दिया है। अब यह कार्यक्रम आज शाम 4 बजे बेहद साधारण तरीके से होगा। निकाय चुनाव को लेकर आज पार्टी ने थीम सॉन्ग लॉन्च करने का कार्यक्रम भी तय किया था, इसे रद्द किया गया है।

अनुज शर्मा बोले-राजेश मेरे लिए छोटे भाई की तरह थे: छत्तीसगढ़ी फिल्म एक्टर और रायपुर बीजेपी विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि, राजेश अवस्थी मेरे लिए छोटे भाई की तरह थे। हम सब लोगों के लिए बहुत बड़ी क्षति है। जिसे कभी पूरा नहीं किया जा सकेगा। बहुत कम उम्र में अचानक उनका यूं चला जाना बहुत दुखद है। छत्तीसगढ़ उनमें बहुत पोटेंशियल देखता था। बहुत सारे लोगों की आशाएं थी। ऐसे मौके पर मैं बस यही कहूंगा कि ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे।

इन फिल्मों में काम कर चुके थे राजेश: राजेश अवस्थी ने पहली बार प्रेम चंद्राकर की फिल्म मया देदे मया लेले में काम किया था। उनकी फिल्म मया 2, टूरा चाय वाला काफी चर्चा में रही। माया 2 में उन्होंने अपने बड़े भाई प्रकाश अवस्थी के साथ काम किया था। ऑडियंस ने इस फिल्म को काफी पसंद किया। राजेश अवस्थी स्टेज परफॉर्मर होने के साथ-साथ सिंगर भी थे।

महिला के शव के गले से सोने की चेन चोरी

बीएम शाह अस्पताल के स्टाफ पर शक, पुलिस ने दर्ज किया केस

मीडिया ऑडीटर, भिलाई (एजेंसी)। भिलाई के बीएम शाह हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मृत महिला के गले से सोने की चेन चुराने का मामला सामने आया है। परिजनों का आरोप है कि, चोरी अस्पताल के स्टाफ ने की है। सुपेला पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

भिलाई नगर सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी ने बताया कि, दीपक नगर दुर्ग निवासी शुभम सिंह ने भिलाई के बीएम शाह अस्पताल के स्टाफ पर चोरी का आरोप लगाया है। उसने सुपेला पुलिस को दी शिकायत में बताया है कि, उसकी बुआ इंदू सिंह का इलाज चल रहा था।

इलाज के दौरान 19 नवंबर 2024 की सुबह 3.45 बजे उनकी मौत हो गई। डॉक्टरों ने जब उन्हें मृत घोषित कर दिया, तो वहां के स्टाफ ने उनके शव को अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाने की प्रोसेस शुरू की। मॉर्च्युरी ले जाने से पहले अस्पताल के स्टाफ ने परिजनों को बुलाया और कहा कि, वो लोग उनके सभी सोने-चांदी का आभूषण उतार लें।

गले से सोने की चेन गायब: स्टाफ ने कहा कि, जेवर निकालने के बाद शव को शवगृह में रखा जाएगा। परिवार वालों के सामने अस्पताल के स्टाफ ने उनके आभूषण निकाले और परिजनों को देकर एक सुपुर्दगी फार्म में साइन करने की बात कही। इस दौरान परिजनों ने देखा कि इंदू सिंह ने सोने की चेन पहने थी, वो उनके गले से गायब है। इस पर परिजनों ने अस्पताल के स्टाफ से सोने की चेन के बारे में पूछा, तो उन्होंने कोई जानकारी ना होने की बात कही। स्टाफ ने वार्ड में चेन खोजने का बहाना भी किया। लेकिन पूरा दिन निकल जाने के बाद भी चेन नहीं मिली, तो परिजनों ने सुपेला थाने में इसकी शिकायत की।

एक लाख से अधिक है चेन की कीमत: शुभम सिंह ने बताया कि, उसने आभूषण को सौंपने संबंधी फार्म पर हस्ताक्षर करते समय भी चेन गायब होने की बात लिखी थी। पीड़ित परिवार ने स्टाफ से चेन लौटाने की मिन्नतें की, लेकिन उन्हें चेन नहीं मिली। चोरी हुई चेन की कीमत एक लाख रुपए से ज्यादा बताई जा रही है।

नगर पालिका क्षेत्र में ईवीएम के माध्यम से मतदाताओं को दी गयी जानकारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार नगर पालिका निगम क्षेत्र में आम निर्वाचन 2025 में लोगों सहभागिता निभाने के लिए ईवीएम का व्यापक प्रचार किया जा रहा है। मास्टर ट्रेनर द्वारा नगर पालिका निगम क्षेत्र के मालवीनगर पोड़ी में 165, लेबर ब्लॉक पोड़ी 80, कोरिया कालरी बाजारपार में 20, डोमनहिल बाजार तथा टैक्सी स्टैण्ड में 55, डोमनहिल ग्राउण्ड में 135, हल्दीबाड़ी बाजार में 75, हिरागीर दफाई 97, बड़ा बाजार मार्केट में 110 तथा नगर पालिका निगम में सैकड़ों मतदाताओं को ईवीएम का डेमोस्ट्रेशन के माध्यम से जानकारी दी गयी।

चाकू मारकर युवक की आंतें बाहर निकाली

बर्थडे पर केक काट रहे थे युवक, तभी पहुंचा दूसरा गुट, रंजिश में मारा चाकू, 3 गंभीर

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर में पुरानी रंजिश के चलते बदमाशों ने मिलकर दूसरे गुट के युवकों के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान उन्होंने चाकू मारकर एक युवक का पेट चीर दिया। इससे उसकी अतड़ियां बाहर आ गई। युवक को लहूलुहान हालत में अस्पताल में भर्ती किया गया। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। हमले में घायल दो अन्य युवकों को भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि घायल पक्ष का युवक जन्मदिन पर केक काट रहा था। उसी समय हमलावर पहुंच गए और विवाद शुरू कर दिया। घटना सरकंडा थाना क्षेत्र की है।

अशोक नगर मुरुम खदान निवासी श्रवण साहू अपने दोस्तों के साथ जन्मदिन मना रहा था। सभी वहां केक काटने की तैयारी में थे। उसी समय रिंकू खान, मुन्नू खान और बौना खान सहित 8-10 लड़के पहुंच गए। पुरानी रंजिश को लेकर उन्होंने श्रवण व उसके दोस्तों के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। मना करने पर दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट शुरू हो गई।

हमले के बाद मौके से भागे हमलावर: इसी दौरान रिंकू, मुन्नू और बौना ने चाकू निकाल कर श्रवण और उसके साथियों पर हमला कर दिया। वो संभल पाते कि चाकू सीधे श्रवण के पेट में घुसा दिया, जिससे खून से लथपथ श्रवण की अतड़ियां बाहर आ गई। इस हमले में उसके दो अन्य साथियों को भी चोटें आई है। इसके बाद हमलावर युवक भाग गए। घायलों के अन्य साथियों ने तीनों को तत्काल सिम्स में भर्ती कराया। श्रवण की हालत गंभीर बताई जा रही है। वहीं दो अन्य की स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर है।

पुलिस पहुंची, इससे पहले भी हमलावर हो गए फरार: इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। लेकिन, तब तक घायलों को अस्पताल पहुंचा दिया गया था। वहीं, हमलावर युवक भी भाग गए थे। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर हमलावरों की तलाश कर रही है। पुलिस ने चार युवकों को हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है। उनके पास से चाकू भी बरामद किया गया है। देर रात मौके पर पहुंचे एडिशनल एसपी उदयन बेहार ने कहा कि आरोपियों को जल्द पकड़ लिया जाएगा। मामले में शामिल सभी आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सरकंडा में लगातार बढ़ रही चाकूबाजी: सरकंडा थाना क्षेत्र में लगातार चाकूबाजी की वारदातें हो रही हैं। कुछ दिन पहले लोयोला स्कूल में छात्र व उसके भाई पर युवकों ने चाकू से हमला किया था। इससे पहले कालीबाड़ी चौक पर महिला पर एक व्यक्ति ने चाकू से सरेराह जानलेवा हमला किया था। पिछले कुछ महीनों में क्षेत्र में चाकूबाजी की कई घटनाएं हो चुकी है।

चाकू से किया हमला, पेट्रोल डालकर कमरे में लगा दी आग: चांटीडीह सांई मंदिर के पास रहने वाले शिवशंकर लोधी डीजे संचालक हैं। शुक्रवार की रात वो अपने कर्मचारी अमन और हर्ष श्रीवास के साथ सो रहा था। रात करीब एक बजे अशोक नगर में रहने वाला लोकनाथ राजपूत वहां आकर दरवाजा खटखटाने लगा। अमन ने दरवाजा खोला तो युवक कमरे में घुस गया। उसने अपने साथ लाए पेट्रोल को तीनों के ऊपर डालना शुरू कर दिया।

इसका विरोध करने पर उसने शिवशंकर पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। इससे उनके नाक और हाथ में चोटें आई। मारपीट होते देख उसके साथी कमरे से भागकर आसपास के लोगों को बुलाने चले गए। इधर, शिवशंकर भी किसी तरह वहां से भागने में कामयाब हो गया। परिजन को लेकर जब वह अपने कमरे में पहुंचा तो युवक ने कमरे में आग लगा दी थी। आसपास के लोगों की मदद से उन्होंने किसी तरह आग पर काबू किया। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया है।

5वीं-8वीं बोर्ड परीक्षा का शेड्यूल जारी

फेल होने पर भी अगली क्लास में मिलेगा प्रमोशन, रिटन और प्रैक्टिकल दोनों एग्जाम होंगे

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में 5वीं और 8वीं की बोर्ड परीक्षाओं का टाइम टेबल जारी कर दिया है। 17 मार्च से 5वीं और 18 से 8वीं बोर्ड के एग्जाम होंगे। शिक्षा विभाग ने परीक्षा लेने से लेकर रिजल्ट जारी करने का ब्लूप्रिंट भी साझा किया है। जिसमें परीक्षा पैटर्न, मूल्यांकन प्रक्रिया और अन्य बाकी दिशा-निर्देश बताए गए हैं

खास बात यह है कि, सप्लीमेंट्री एग्जाम में फेल होने वाले स्टूडेंट्स को भी अगली क्लास में प्रमोट किया जाएगा। क्वेश्चन पेपर लोक शिक्षण संचालनालय के ब्लूप्रिंट के अनुसार तैयार किए जाएंगे। जिला स्तर पर विषय विशेषज्ञों की कमेटी बनेगी, जो हर सब्जेक्ट के 3 सेट तैयार कर डीईओ को सौंपेगी।

डीईओ को मिली एग्जाम की ज़िम्मेदारी: इस परीक्षा का सफल संचालन जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) की ज़िम्मेदारी होगी। विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) स्कूल के हिसाब से नामिनल रोल तैयार कर डीईओ को देंगे। इसके बाद हर स्टूडेंट को रोल नंबर मिलेगा, जिसे 28 फरवरी तक स्कूल प्रमुखों को दिया जाएगा।

कौन देगा परीक्षा: परीक्षा में सरकारी, अनुदान प्राप्त और छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल से जुड़े प्राइवेट स्कूलों के स्टूडेंट्स को बैठना अनिवार्य होगा। हालांकि, सीबीएससी और आईसीएससी से जुड़े प्राइवेट स्कूलों को इसमें शामिल नहीं किया गया है।

परीक्षा पैटर्न और नंबर विभाजन: क्लास 5वी- टोटल 50 नंबर, जिसमें 40 नंबर रिटन एग्जाम और 10 नंबर प्रैक्टिकल के होंगे।

क्लास 8वीं- टोटल 100 नंबर, जिसमें 80 नंबर रिटन एग्जाम और 20 नंबर प्रैक्टिकल के होंगे। स्टूडेंट्स के प्रैक्टिकल एग्जाम भी होंगे

एग्जाम से लेकर रिजल्ट का पूरा शेड्यूल: 5वीं की परीक्षा 17 मार्च 2025 से होगी। 8वीं की परीक्षा 18 मार्च 2025 से होगी। परीक्षा के दौरान संकुल, विकासखंड और जिला स्तर की टीमें निगरानी करेगी। आंसर शीट की जांच 30 मार्च से 4 अप्रैल तक होगी। परीक्षा परिणाम 30 अप्रैल 2025 को घोषित किया जाएगा।

5वीं के लिए 55 रुपए और 8वीं के लिए 60 रुपए प्रति स्टूडेंट बजट: सरकार ने क्लास 5वीं के लिए प्रति स्टूडेंट 55 रुपए और क्लास 8वीं के लिए 60 रुपए का बजट तय किया है। गैर अनुदान प्राप्त स्कूलों को यह शुल्क डीईओ ऑफिस में जमा करना होगा। आंसर शीट की जांच और परीक्षा संचालन के लिए शिक्षकों और अधिकारियों को निर्धारित पारिश्रमिक मिलेगा।

पूरक परीक्षा की सुविधा: जो स्टूडेंट्स वार्षिक परीक्षा में फेल होंगे, वे 1 जून 2025 से पूरक परीक्षा दे सकेंगे। अगर कोई स्टूडेंट पूरक परीक्षा में भी पास नहीं होता है, तो उसे अगली क्लास में प्रमोट कर दिया जाएगा।

2 दुकानों के टूटे ताले, मोबाइल शॉप से 70 से अधिक मोबाइल और एसेसरीज पार, जर्दा दुकान से कैश चोरी

मीडिया ऑडीटर, भिलाई (एजेंसी)। भिलाई के शीलता कांप्लेक्स में सोमवार सुबह दो दुकानों के शटर टूटे मिले। चोरों ने मोबाइल शॉप और जर्दा शॉप को को निशाना बनाया है। मोबाइल शॉप से 70 से अधिक महंगे फोन और मोबाइल एसेसरीज चोरी हुआ है। मामला छावनी थाना इलाके के कैंप-2 का है। दुकान संचालक शिवम गुप्ता ने बताया कि, शीतला कांप्लेक्स में उसकी बागेश्वर मोबाइल नाम की दुकान है। वो रोज की तरह दुकान बंद कर घर गया था। सुबह उसके पास उसके स्टाफ का फोन आया कि, दुकान का शटर खुला हुआ है। वो तुरंत अपने पापा के साथ दुकान पहुंचा।

गंदगी वाले एरिया में मिले मोबाइल के डिब्बे: शिवम ने छावनी थाने पहुंचकर चोरी की शिकायत की। जांच के दौरान कांप्लेक्स से कुछ दूर पर गंदगी वाले एरिया में मोबाइल के डब्बे पड़े मिले। सभी डिब्बों से मोबाइल गायब थे। कुछ मोबाइल एसेसरीज भी पड़ी थी। पुलिस सभी डिब्बों को जब्ती बनाकर थाने ले आई। उनका आई-ईएमआई नंबर नोट किया गया। पुलिस का कहना है कि, इसके जरिए वो चोरों तक पहुंच पाएंगे। फिलहाल, पुलिस अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

4 लोगों ने दिया वारदात को दिया अंजाम: दुकान संचालक ने बताया कि, उन्होंने सीसीटीवी फुटेज चेक किया, तो पता चला कि 4 लड़कों ने मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। दो लड़के दुकान के अंदर घुसे और दो बाहर खड़े थे। इसमें से एक लड़के ने चेहरे को ढका भी नहीं था। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के सहारे आरोपियों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

जर्दा दुकान से कैश पार: चोरों ने दो दुकानों में चोरी की। इसमें दूसरी दुकान रेवापुरी जर्दा सेंटर की है। यहां चोरों को कुछ भी चुराने लायक नहीं मिला। वो दुकान के अंदर गल्ले में रखे 5 हजार रुपए चोरी कर चले गए। पुलिस शिकायत लेकर जांच कर रही है।

चाय बनाने वाली महिला ने दी जानकारी: बागेश्वर मोबाइल दुकान के बाहर सुबह-सुबह एक महिला रोजाना चाय दुकान लगाती है। वो महिला जब चाय दुकान लगाने पहुंची, तो देखा कि दुकान का शटर खुला है। उसने तुरंत दुकान संचालक शिवम गुप्ता को फोन किया। लेकिन उसका फोन स्विच-ऑफ आया। इसके बाद महिला ने दुकान की महिला स्टाफ को फोन कर जानकारी दी। महिला स्टाफ ने शिवम के पिता को फोन पर चोरी की जानकारी दी।

मतदान दलों को प्रशिक्षण कुशलतापूर्वक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार प्रवीण भगत एसडीएम भरतपुर के दिशा निर्देश में आज नगरीय निकाय चुनाव संपन्न कराए जाने हेतु ईवीएम का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। विकासखंड भरतपुर में स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय इंग्लिश स्कूल में 40 मतदान दलों को प्रशिक्षण कुशलतापूर्वक संपन्न कराया गया। जिसमें मतदान दल को पूरी मतदान प्रक्रिया पर मास्टर ट्रेनर द्वारा व्यापक चर्चा करके समझाइश दी गई। इसके साथ ही मॉक पोल व एक ही बैलेट यूनिट में दो मतदान कैसे संपन्न कराया जाना है उसकी जानकारी दी गयी। प्रशिक्षण संपन्न कराने में प्रशिक्षक उमेश द्विवेदी, भक्त राज सिंह चौहान, शिवलाल भगत व शिव शंकर कुशवाहा ने अपना विशेष योगदान दिया।

नगरीय निकाय निर्वाचन हेतु 372 कर्मचारियों को 18 मास्टर ट्रेनर्स ने दिया प्रशिक्षण

नगरी निकाय एवं पंचायत निर्वाचन के प्रेक्षक ने प्रशिक्षण का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार में आगामी नगरीय निकाय आम निर्वाचन 2025 के सफल संचालन हेतु मास्टर ट्रेनरों द्वारा मतदान दलों की विकासखण्ड स्तरीय प्रशिक्षण स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी स्कूल मनेन्द्रगढ़ में सुबह 11:00 बजे से आयोजित किया गया। जिसमें विकासखंड मनेंद्रगढ़ सहित नगरीय निकाय खोंगापानी, नई लेदरी, झगराखाण्ड के मतदान दलों की प्रशिक्षण के लिए सभी नगरी निकाय के 93 दलों के 372 कर्मचारियों को 18 मास्टर ट्रेनरों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। नगरी निकाय एवं पंचायत निर्वाचन के प्रेक्षक दुष्यंत कुमार रायस्त ने प्रशिक्षण का निरीक्षण किया। इस दौरान नगरीय निकाय मनेंद्रगढ़ के रिटर्निंग ऑफिसर अनिल कुमार सिदार द्वारा क्लोक ईरर श्वह्लह्नश्वह्व के बारे में बताया गया। निरीक्षण में सुश्री श्रुति ध्रुव रिटर्निंग ऑफिसर झगराखांड और नई लेदरी के रिटर्निंग ऑफिसर प्रितेश राजपूत और वैशाली सिंह जनपद सीईओ मनेन्द्रगढ़ भी उपस्थित रही। प्रशिक्षण के दौरान ईवीएम सेट के माध्यम से दो पदों पर मतदान प्रक्रिया को विस्तार से समझाया गया। उन्होंने बताया कि एक मतदान यूनिट में 16 पैनल होते हैं, जो 2 खंडों में विभाजित होंगें। पहले पैनल में महापौर/अध्यक्ष पद के नाम का उल्लेख होगा, इसके बाद के पैनलों में अभ्यर्थियों के नाम और निर्वाचन प्रतीक होंगे। अंतिम अभ्यर्थी के बाद के पैनल में "उपर्युक्त में से कोई नहीं"(नोटा) का प्रावधान रहेगा। वही दूसरे पद में (पार्षद) के लिए भी इसी प्रकार पैनलों का विवरण रहेगा। यदि महापौर/अध्यक्ष के लिए पांच अभ्यर्थी हैं, तो दो पैनल अभ्यर्थियों की संख्या अनुसार छः तक होंगे और सातवां पैनल नोटा के लिए होगा। इसी प्रकार पार्षद पद के लिए आठवें पैनल से प्रारंभ होगा और 15वां पैनल नोटा के लिए होगा। 16वां पैनल लाल रंग का "श्वह्न्ठ" बटन होगा, जिसे मतदान के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता। यदि अभ्यर्थियों की संख्या अधिक है, तो अतिरिक्त मतदान यूनिट जोड़े जा सकते हैं, परंतु चार से अधिक नहीं। चार यूनिट के माध्यम से अधिकतम 56 अभ्यर्थियों के लिए व्यवस्था की जा सकती है, जिसमें पद, नाम, प्रतीक चिन्ह और नोटा पैनल शामिल हैं। प्रत्येक मतदाता को महापौर/अध्यक्ष और पार्षद पद के लिए अलग-अलग मतदान करने का अधिकार होगा। मतदान प्रक्रिया में प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग लेबल स्थापित किए जाते हैं। मतदाता अपनी इच्छा अनुसार संबंधित बटन दबाकर अपना मत अभिलिखित कर सकता है। यदि कोई मतदाता किसी भी अभ्यर्थी को मत नहीं देना चाहता है, तो वह नोटा बटन दबाकर यह दर्ज कर सकता है। यदि कोई मतदाता केवल एक पद के लिए मतदान करता है और "इन्ड" बटन दबाता है, तो इसे अंडर वोट माना जाएगा। यदि वह किसी भी बटन को दबाए बिना इन्ड बटन दबाकर बाहर आता है, तो इसे नो वोट (नो वोट / अनफिनिसड) कहा जाएगा। वहीं यदि कोई भी बटन दबाए बिना मतदान कक्ष से बाहर आता है, तो मतदान अधिकारी किसी भी स्थिति में बूथ के अंदर जाकर इन्ड बटन का उपयोग नहीं करेंगे। ऐसी स्थिति में वे मशीन को बंद कर पुनः चालू करेंगे और ईवीएम अगले मतदाता के लिए तैयार की जाएगी। सभी प्रकार के मतों का विवरण मतदान मशीन के कंट्रोल यूनिट में रिकॉर्ड किया जाएगा।

इस प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर विजय गोपाल राव, श्रीकांत लांजेवार, संजय ताम्रकार, जसवंत डहरिया, देवेन्द्र साहू, मुकेश चौहान, भीमसेन भगत, स्मृति अग्रवाल, विवेक सिन्हा, कमरूद्दीन अंसारी, गणेश यादव, विनोद सोनी, नारायण तिवारी, सुरेन्द्र कुमार जायसवाल, डॉ. अमूल्यचंद झा, पारसमणि, डॉ. नसीमा बेगम अंसारी, लवकुश गुप्ता, रामशरण सिंह सहित अन्य मास्टर ट्रेनर एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रेक्षक ने नामांकन की प्रक्रिया का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। स्थानीय नगरीय निकाय आम निर्वाचन 2025 एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हेतु निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षक दुष्यंत कुमार रायस्त के द्वारा जनपद सदस्यों हेतु नामांकन की प्रक्रिया का निरीक्षण मनेन्द्रगढ़ तहसील कार्यालय में किया गया। उन्होंने इसके साथ ही लालपुर ग्राम पंचायत स्ट्रांग रूम, लालपुर प्रा.शा. 02 मतदान केन्द्र, मा.शा.मतदान केन्द्र कठौतिया, पंचायत चुनाव निर्वाचन की नामांकन प्रक्रिया कठौतिया एवं पानी टंकी से सामने वेयर हाउस का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ वैशाली सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा, प्रोग्रामर उपेन्द्र कुमार सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

कश्मीर में आतंकियों ने रिटायर्ड लांस नायक की हत्या की

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में सोमवार को आतंकियों ने रिटायर्ड लांस नायक के परिवार पर हमला किया। इसमें पूर्व सैनिक की मौत हो गई जबकि उनकी पत्नी और बेटी घायल हो गई हैं। हमलावरों को पकड़ने के लिए इलाके की घेराबंदी की गई है। सुरक्षाबल उनकी तलाश में जुटे हैं।

घटना दक्षिणी कश्मीर में कुलगाम के बेहीबाग इलाके में हुई। आतंकियों ने रिटायर्ड लांस नायक मंजूर अहमद के परिवार पर दोपहर 2ः45 बजे गोलीबारी की। फायरिंग में अहमद, पत्नी आइना और बेटी साइना घायल हो गए। तीनों को श्रीनगर हॉस्पिटल ले जाया गया।

इलाज के दौरान मंजूर अहमद की मौत हो गई। उनकी पत्नी और बेटी का इलाज जारी है। मंजूर के पेट में गोली लगी थी, जबकि उनकी पत्नी के पैर और बेटी के हाथ में गोली लगी थी। वह पत्नी और बेटी के साथ कार में थे, जब आतंकियों ने उन पर नजदीक से गोली चलाई।

अयोध्या राम मंदिर के मुख्य पुजारी को ब्रेन हेमरेज

लखनऊ (एजेंसी)। अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास की अचानक तबीयत बिगड़ गई। उन्हें लखनऊ के संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार, उन्हें ब्रेन हेमरेज हुआ है, हालत नाजुक है। रविवार देर रात आचार्य सत्येंद्र दास की तबीयत बिगड़ने पर पहले उन्हें अयोध्या के सिटी न्यूरो केयर हॉस्पिटल ले जाया गया। उनकी स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने लखनऊ रेफर करने का निर्णय लिया। एम्बुलेंस से उन्हें लखनऊ लाया गया, यहां पीजीआई के न्यूरोलॉजी विभाग की इमरजेंसी यूनिट में भर्ती किया गया। सूत्रों के मुताबिक, आचार्य सत्येंद्र दास के स्वास्थ्य की निगरानी के लिए डॉक्टरों की एक विशेष टीम लगाई गई है। अभी तक ऑपरेशन की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। आचार्य सत्येंद्र दास के साथ राम जन्मभूमि मंदिर के सहायक पुजारी प्रदीप दास मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि आचार्य जी की तबीयत अचानक बिगड़ी थी और डॉक्टरों ने तुरंत लखनऊ ले जाने की सलाह दी।

दिल्ली चुनाव का प्रचार थमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव का प्रचार सोमवार शाम 5 बजे थम गया। अब बुधवार को वोटिंग होगी और शनिवार को रिजल्ट आएगा। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन आप भाजपा, कांग्रेस के नेताओं ने जमकर जनसंपर्क किया। दिल्ली के पूर्व सीएम और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर लिखा- मेरे अनुमान के मुताबिक आम आदमी पार्टी की 55 सीट आ रही हैं, लेकिन अगर महिलाएं जोर लगा दें।

भारतीय ज्ञान परम्परा के विभिन्न आयामों पर शोध में शासन के साथ समाज को भी योगदान देना होगा-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ऋषि स्वरूप व्यक्तित्व के श्री दत्तोपंत ठेंगड़ी ने दीपक के समान स्वयं जलकर विचारों का प्रकाश समाज को प्रदान किया। कृषि, श्रमिकों की स्थिति और स्वदेशी के क्षेत्र में उनका विचार उज्जवल नक्षत्र के समान हैं, जो समाज को निरंतर मार्गदर्शन प्रदान करते रहेंगे। विद्यार्थी परिषद के संस्थापक सदस्य के रूप में भी उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही। वे हिंदुत्व को राष्ट्रीयता से आगे विश्व बंधुत्व के रूप में देखते थे। उनका मानना था कि चराचर जगत में हिंदुत्व के विचार का विस्तार मनुष्य, समाज, राष्ट्र और मानवता तक है।

वर्तमान समय में उनके विचार अधिक समसामयिक हो जाते हैं, सम्पूर्ण विश्व विभिन्न समस्याओं में मार्गदर्शन और उनके समाधान के लिए भारत की ओर आशा की दृष्टि से देख रहा है। भारत अपनी यह भूमिका प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा के

आधार पर ही निभा सकता है। इस परिप्रेक्ष्य में भारतीय ज्ञान परम्परा के विभिन्न आयामों पर शोध की आवश्यकता अधिक बढ़ जाती है, शोध के क्षेत्र में शासन के साथ-साथ समाज को भी योगदान देना होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान के नवीन परिसर भवन के भूमि-पूजन और कार्य आरंभ के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में विचारक एवं लेखक श्री सुरेश सोनी सारस्वत अतिथि के रूप में उपस्थित थे।शोध संस्थान की वार्षिक स्मारिका संकेत रेखा का हुआ विमोचनमुख्यमंत्री डॉ. यादव बसंतोत्सव के अवसर पर लिंक रोड नंबर तीन पर आयोजित कार्यक्रम में बाबा महाकाल के चित्र पर माल्यार्पण कर भूमि-पूजन एवं कार्य आरंभ में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भूमि-पूजन स्थल पर पौधा भी रोपा।

महाकुंभ भगदड़ पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

प्रयागराज (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को प्रयागराज महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए गाइडलाइन्स जारी करने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को इलाहाबाद हाईकोर्ट जाने का निर्देश दिया। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार की इस दलील पर संज्ञान लिया कि इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका पहले ही दायर की जा चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने 29 नवंबर को कुंभ में भगदड़ की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। साथ ही

याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट जाने को कहा। दरअसल, कुंभ में भगदड़ को लेकर सुप्रीम कोर्ट के वकील विशाल तिवारी ने जनहित याचिका दाखिल की थी। इसमें देशभर में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए दिशा-निर्देश देने और नियमों का पालन कराने की मांग की गई थी।

मौनी अमावस्या पर 28/29 जनवरी की रात करीब डेढ़ बजे संगम नोज पर भगदड़ मच गई थी। भीड़ ने लोगों को कुचल दिया था। सरकार के मुताबिक, 30 लोगों की मौत हुई और 60 घायल हो गए थे।

राहुल ने मोदी की तारीफ की, यूपीए की खामी गिनाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में बजट सत्र के तीसरे दिन सोमवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा में राहुल गांधी 40 मिनट बोले। उन्होंने कहा- मैंने राष्ट्रपति का भाषण सुना। वे पिछले कई सालों से यही बातें दोहरा रही हैं। आज मैं बताऊंगा कि उनका संबोधन कैसा हो सकता था। राहुल ने कहा- बेरोजगारी पर कांग्रेस के नेतृत्व वाली हमारी यूपीए सरकार और प्रधानमंत्री मोदी की ह्रष्ठ सरकार कुछ नहीं कर पाई। मैन्यूफैक्क्षरिंग सेक्टर को बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए। पीएम मोदी का मेक इन इंडिया एक अच्छा आइडिया था, लेकिन नतीजा आपके सामने है। मैं प्रधानमंत्री को दोष नहीं दे रहा, यह कहना सही नहीं कि उन्होंने कोशिश नहीं की, लेकिन वे असफल रहे।

बेरोजगारी पर यूपीए सरकार को भी घेरा राहुल ने स्पीच में अपनी सरकार की भी खामी गिनाई। उन्होंने कहा- देश में बेरोजगारी की समस्या का समाधान कांग्रेस नेतृत्व वाली क्क की सरकार भी अपने 10 साल के शासनकाल में नहीं कर पाई। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार भी पिछले 10 साल में इस पर कुछ नहीं कर पाई।

मणिपुर हिंसा पर सुप्रीम कोर्ट ने फोरेंसिक रिपोर्ट मांगी

नई दिल्ली/इंफाल (एजेंसी)। सीजेआई संजीव खन्ना और जस्टिस पीवी संजय कुमार की बेंच ने कहा- मामले में अगले सुनवाई ?24 मार्च से शुरू होने वाले हफ्ते में होगी। मणिपुर हिंसा पर सुप्रीम कोर्ट ने सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लैब से सीलबंद लिफाफे में 6 हफ्ते में रिपोर्ट मांगी है। दरअसल, कुछ ऑडियो क्लिप सामने आए हैं, जिसमें मणिपुर के सीएम पर हिंसा करवाने का आरोप है। कुकी ऑर्गेनाइजेशन फॉर ह्यूमन राइट्स ट्रस्ट ने इन ऑडियो क्लिप की कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की है। दावा है कि ऑडियो में सीएम कथित तौर पर कह रहे हैं कि उन्होंने मैतियों को हिंसा भड़काने की अनुमति दी और उन्हें बचाया। याचिकाकर्ताओं के वकील प्रशांत भूषण ने कहा- जो टेप सामने आए हैं, वे बहुत गंभीर हैं। इस पर सीजेआई संजीव खन्ना और जस्टिस पीवी संजय कुमार की बेंच ने मणिपुर सरकार से कहा कि सुनिश्चित करिए कि ये एक और मुद्दा न बने। सुनवाई की शुरुआत में जस्टिस पीवी संजय कुमार ने पूछा कि क्या उन्हें सुनवाई से अलग हो जाना चाहिए। जवाब में याचिकाकर्ता के वकील प्रशांत भूषण ने कहा- न्यायमूर्ति कुमार को मामले से अलग होने की जरूरत नहीं है।

महिला कानूनों के दुरुपयोग के आरोप वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने महिला-केंद्रित कानूनों से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करने से इनकार करते हुए उसे खारिज कर दिया। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने याचिकाकर्ता से कहा कि आप संसद में जाकर इन सभी आधारों को उठा सकते हैं। याचिकाकर्ता रूपशी सिंह ने कानूनों के दुरुपयोग का आरोप लगाया था, साथ ही मांग की थी- दहेज निषेध, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण और भारतीय दंड संहिता में महिलाओं के प्रति क्रूरता से जुड़े प्रावधानों से पुरुषों को भी संरक्षण दिया जाए। दहेज निषेध अधिनियम, 1961 मकसद- दहेज प्रथा को रोकना और दोषियों को सजा दिलाना है। दुरुपयोग- कई मामलों में महिलाएं दहेज उत्पीड़न का झूठा आरोप लगाकर पति और ससुरालवालों को परेशान करती हैं।

भारतीय दंड संहिता की धारा 498 मकसद- विवाहित महिलाओं को दहेज उत्पीड़न और मानसिक/शारीरिक प्रताड़ना से बचाना।

राजस्थान में बारिश, एमपी में फिर ठंड का अनुमान

जम्मू/नई दिल्ली/भोपाल (एजेंसी)। देश के 8 राज्यों में सोमवार को कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है। इनमें दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, बिहार, असम, मेघालय और ओडिशा शामिल हैं।

मध्य प्रदेश में तीन दिन बाद ठंड बढ़ेगी। मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश में 6 फरवरी से दिन-रात के पारे में 2 से 3 डिग्री की गिरावट हो सकती है, जबकि 12 फरवरी से बारिश होने का अनुमान भी है।

राजस्थान में सोमवार शाम से मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। जयपुर, बीकानेर संभाग के 13 जिलों में बादल छाएंगे। कहीं-कहीं देर शाम को हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है।

जम्मू-कश्मीर में पहाड़ी इलाकों में रविवार को बर्फबारी हुई। इनमें गुलमर्ग, गुरेज, पहलगाम, कुलगाम और पुलवामा शामिल हैं। मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार को भी बर्फबारी होने की संभावना है।

कर्नाटक में क्लास 2 की लड़की से छेड़छाड़

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मांड्या में 8 साल की लड़की से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। दोनों आरोपी साथ में पढ़ते हैं। वे पहले लड़की को स्कूल के बॉथरूम में ले गए। धमकाकर लड़की के कपड़े उतरवाए। फिर उसके प्राइवेट पार्ट पर चोट पहुंचाई। घटना 31 जनवरी की है लेकिन मामला रविवार को सामने आया। जब लड़की की मां ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। एक सीनियर पुलिस अधिकारी के मुताबिक, पीड़ित नाबालिग क्लास 2 में पढ़ती है। एक आरोपी उसका क्लासमेट है वहीं दूसरा अन्य क्लास का है। लड़की ने आरोप लगाया कि आरोपी छात्रों ने उसे घटना के बारे में किसी को न बताने की धमकी दी, लेकिन बाद में उसने अपनी मां को इस बारे में बताया। मांड्या स्क्क मल्लिकार्जुन बालादंडी ने बताया कि लड़की के बयान के आधार पर दोनों लड़कों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस स्कूल कैंपस में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। हालांकि, पुलिस ने बताया कि लड़की की मेडिकल रिपोर्ट में उसके प्राइवेट पार्ट पर ऐसी कोई चोट नहीं पाई गई है।

संसद में खड़गे बोले-कुंभ भगदड़ में हजारों लोग मारे गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में बजट सेशन के तीसरे दिन सोमवार को महाकुंभ में भगदड़ से हुई मौतों को लेकर विपक्ष ने दोनों सदनों में जमकर हंगामा किया। कांग्रेस, सपा समेत तमाम विपक्षी दलों ने सरकार पर मौत का आंकड़ा छिपाने का आरोप लगाया। सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और मौतों की सही जानकारी देने की मांग की।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- 29 जनवरी को महाकुंभ में हुई भगदड़ में मारे गए हजारों लोगों को मेरी श्रद्धांजलि। राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उन्हें बयान (हजारों लोगों की मौत) वापस लेने को कहा।

जवाब में खड़गे ने कहा कि, %यह मेरा अनुमान है। अगर आंकड़े सही नहीं हैं तो सरकार को बताना चाहिए कि सच्चाई क्या है। मैंने किसी को दोषी ठहराने के लिए हजारों नहीं कहा, लेकिन कितने लोग मारे गए, यह जानकारी तो दीजिए। अगर मैं गलत हूं तो मैं माफी मांगूंगा।

महाकुंभ में 28 जनवरी को मौनी अमावस्या के अमृत स्नान से पहले रात करीब 2 बजे भगदड़ हुई थी। यूपी सरकार ने 17 घंटे बाद 30 मौतों और 60 लोगों के घायल होने की बात कही।

लोकसभा में भी हंगामा कर रहे सांसद वेल तक पहुंच गए। वे स्पीकर ओम बिरला से कुंभ भगदड़ पर चर्चा की मांग कर रहे थे। बिरला ने सांसदों से कहा- आपको जनता ने यहां सवाल पूछने भेजा है कि मेज तोड़ने, अगर मेज तोड़ने भेजा है तो और जोर से मारिए।

अनिल विज, जिन्होंने अपनी भाजपा सरकार मुश्किल में फंसाई

अंबाला (एजेंसी)। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने 5 दिन से अपनी ही पार्टी, भाजपा की सरकार को मुश्किल में डाल रखा है। उनके टारगेट पर एक तरफ सीएम नायब सैनी हैं तो दूसरी तरफ पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली हैं।

सीएम को वह उड़नखटोले से उतरकर मंत्रियों-विधायकों से बात करने की नसीहत दे रहे हैं। सोमवार को उन्होंने सीधे सीएम के समर्थकों को गद्दार बताते हुए 17 फोटो जारी कर दिए। वहीं बड़ौली को गैंगरेप का आरोपी होने की वजह से इस्तीफे के लिए कह चुके हैं। नायब सैनी और अनिल विज के बीच पहले भी विवाद हो चुका है। तब विज ने मंत्री रहते हुए सैनी के बतौर राज्यमंत्री अंबाला कैंट के रेस्ट हाउस में लगाए जा रहे जनता दरबार को बंद करा दिया था। सैनी के अंबाला जिला भाजपा का अध्यक्ष रहने के दौरान भी विज की उनसे ठनी रही। विज ने कॉलेज लाइफ में पॉलिटिक्स शुरू की थी। बैंक में नौकरी के वक्त भी वह पार्टी में सक्रिय रहे।

सुप्रीम कोर्ट से राम रहीम को राहत नहीं

चंडीगढ (एजेंसी)। बरगाड़ी बेअदबी मामले से जुड़े मामले की याचिका पर आज (3 फरवरी को) सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई है। पंजाब सरकार को अदालत ने जवाब दाखिल करने का तीन हफ्ते की मोहलत मिली है। हालांकि इस मामले में डेरा सच्चा सौदा, सिरसा के मुखी राम रहीम को राहत नहीं मिली है। वहीं, अब इस मामले की सुनवाई 18 मार्च को होगी। जानकारी के मुताबिक पंजाब सरकार की याचिका पर गत सुनवाई पर पजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें गुरमीत राम रहीम के खिलाफ 2015 में पवित्र ग्रंथ श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के मामलों में ट्रायल पर रोक लगाई गई थी। इस मौके राह रहीम के वकील ने अदालत को बताया कि पंजाब राज्य ने इन मामलों की जांच के लिए सीबीआई को भेजा था। सीबीआई इनकी जांच कर रही थी, अचानक 2 साल बाद सीबीआई की सहमति वापस ले ली गई। ऐसा नहीं किया जा सकता।

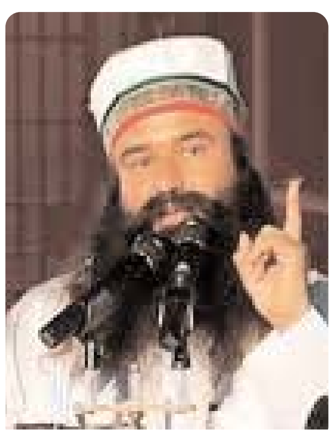

सीबीआई ने आगे बढ़कर क्लोजर फाइल कर दिया। वे नाखुश थे। बाद में पंजाब पुलिस ने जांच की। इस पर पंजाब सरकार के सरकारी ने कहा कि यह मुकदमेबाजी का तीसरा दौर है। उसे सीबीआई ने नहीं, बल्कि राज्य पुलिस ने आरोपी के रूप में पेश किया था। मामला उनके पास आने के बाद, उसका कोई ठिकाना नहीं है। इस विवाद के केंद्र में पंजाब में अपवित्रीकरण की कई घटनाएं हैं, जो जून 2015 में फ़रीदकोट के बुर्ज जवाहर सिंह वाला गांव में एक गुरुद्वारे से गुरु ग्रंथ साहिब की एक प्रति की सितंबर में, फ़रीदकोट के जवाहर सिंह वाला और बरगाड़ी गांवों में पवित्र ग्रंथ के खिलाफ़ हाथ से लिए हुए अपवित्र पोस्टर लगाए गए।

उसी वर्ष अक्टूबर में, बरगाड़ी में एक गुरुद्वारे के पास पवित्र ग्रंथ के कई फटे हुए अंग (पृष्ठ) बिखरे हुए मिले।

बाद में स्थिति ये बन आई कि पंजाब में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए। राज्य पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की, जिसमें दो आंदोलनकारियों की मौत हो गई, इस दौरान पंजाब में सामाजिक और राजनीतिक अशांति और बढ़ गई।

गुरु ग्रंथ साहिब की प्रति की चोरी और अपवित्रता से संबंधित तीन परस्पर जुड़े मामलों में कुल 12 लोगों को नामजद किया गया था। शिरोमणि अकाली दल और भारतीय जनता पार्टी की पिछली गठबंधन सरकार ने नवंबर में जांच सीबीआई को सौंप दी थी

श्रद्धालुओं की लाशों को नदी में फेंका गया', जया बच्चन का यूपी सरकार पर बड़ा हमला

नई दिल्ली। नेशनल डेस्कः महाकुंभ हादसे को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) की राज्यसभा सांसद जया बच्चन ने उत्तर प्रदेश सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि हादसे के बाद मृतकों के शवों को गंगा में फेंक दिया गया, जिससे पानी प्रदूषित हो गया। इस बयान ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है और विपक्षी दल सरकार को घेरने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। जया बच्चन ने सोमवार को संसद भवन परिसर में मीडिया से बात करते हुए कहा कि महाकुंभ के दौरान हुई भगदड़ के बाद कई श्रद्धालुओं के शवों को सीधे नदी में फेंक दिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि इससे गंगा का पानी प्रदूषित हुआ और लोगों तक गंदा पानी पहुंचने लगा। जया ने आरोप लगाया कि सरकार इस गंभीर मामले से ध्यान हटा रही है और मरे हुए लोगों के शवों का पोस्टमॉर्टम तक नहीं किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार जलशक्ति पर भाषण दे रही है, लेकिन वास्तविक स्थिति को नजरअंदाज कर रही है।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में भारतीय टीम से राहुल-यशस्वी आउट, मोहम्मद शमी को मिल सकता है मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज खत्म हो चुकी है। जिसे भारत ने 4-1 से अपने नाम किया। वहीं अब दोनों टीमों के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का आगाज होगा। जिसकी शुरुआत 6 फरवरी से होगी और टीम इंडिया जीत के साथ शुरुआत करना चाहेगी। हालांकि, वनडे फॉर्मेट में काफी कुछ बदल जाता है और इंग्लैंड भी वापसी की पूरी कोशिश करेगा।

जोस बटलर की टीम के खिलाफ भारत रोहित शर्मा की कप्तानी में पहला वनडे मैच नागपुर में खेलेगा। वनडे सीरीज में टीम इंडिया के स्टार प्लेयर्स खेलते हुए नजर आएंगे जिसमें रोहित शर्मा, शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, ऋषभ पंत, मोहम्मद शमी, रविंद्र जडेजा जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। इंग्लैंड को पहले मैच में हारने के लिए भारत को अपनी बेस्ट अंतिम ग्यारह के साथ उतरना होगा।

भारत के लिए इस मैच में पारी की शुरुआत रोहित शर्मा के साथ शुभमन गिल कर सकते हैं। हालांकि, भारत की टीम में यशस्वी जायसवाल भी हैं, लेकिन फिलहाल उन्हें इंतजार करना पड़ सकता है क्योंकि गिल और रोहित की जोड़ी वनडे में बतौर ओपनर काफी सफल रही है। वहीं गिर का बतौर ओपनर वनडे में काफी अच्छी रिकॉर्ड भी रहा है और अनुभव के मामले में वो यशस्वी भी हैं, लेकिन फिलहाल उन्हें इंतजार करना पड़ा सकता है क्योंकि गिल और रोहित की जोड़ी वनडे में बतौर ओपनर काफी सफल रही है। वहीं गिल का बतौर ओपनर वनडे में काफी अच्छी रिकॉर्ड भी रहा है और अनुभव के मामले में वो यशस्वी से काफी आगे हैं।

टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में कौन भारत की पहली

पसंद हो सकता है इस पर सबकी निगाहें रहने वाली है। टीम में ऋषभ पंत और केएल राहुल दोनों ही हैं और दोनों शानदार खिलाड़ी हैं। वर्ल्ड कप के दौरान जब पंत उपलब्ध नहीं थे तब केएल राहुल का इस्तेमाल बतौर विकेटकीपर किया गया था, लेकिन पंत के आने के बाद उनके पास थोड़ा सा एज है क्योंकि बतौर विकेट कीपर वो राहुल से बेहतर जरूर हैं। हां, इसमें कोई शक नहीं है कि दोनों शानदार बल्लेबाजी हैं। ये देखना दिलचस्प होगा कि प्लेइंग इलेवन में राहुल बनाम पंत में कौन बाजी मारेगा।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो वनडे मैच के लिए बुमराह भारतीय टीम में नहीं हैं ऐसे में भारतीय पेस अटैक की जिम्मेदारी शमी संभाव सकते हैं। शमी ने पांचवें टी20 मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी की और 3 विकेट लिए। इससे शमी का हौसला जरूर बढ़ेगा और पहले वनडे में उनका साथ अर्शदीप सिंह निभाते नजर आ सकते हैं। वहीं टीम में स्पिन ऑलराउंडर की बात करें तो रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल हो सकते हैं। जबकि कुलदीप यादव को भी प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जा सकता है।

पंद्रह साल के कार्तिक ने 'इंटरनेशनल सीरीज इंडिया' में कट हासिल कर रचा इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अमेच्योर गोल्फ खिलाड़ी कार्तिक सिंह ने शनिवार को 'इंटरनेशनल सीरीज इंडिया' में कट हासिल कर एशियाई टूर स्पर्धा में इस कारनामे को करने वाले उपमहाद्वीप के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गये। पंद्रह साल के कार्तिक ने डीएलएफ गोल्फ और कंट्री क्लब में दूसरे दौर में एक अंडर 71 का कार्ड खेला जिससे उनका कुल स्कोर चार ओवर हो गया। कट स्कोर आठ अंडर था।

कार्तिक के लिए यह दूसरा पेशेवर टूर्नामेंट है। इस किशोर खिलाड़ी ने इससे पहले केवल एक एशियाई डेवलपमेंट टूर कार्यक्रम में हिस्सा लिया है। कार्तिक इस प्रतियोगिता में दो बार के मेजर विजेता ब्रायसन डेचैम्ब्यू, भारतीय दिग्गज अनिर्बान लाहिड़ी और एलआईवी गोल्फ लीग के जोकिन नीमन जैसे सितारे के साथ खेल रहे है। अमेच्योर गोल्फ में अंडर-15 स्तर पर दुनिया के शीर्ष रैंकिंग वाले इस खिलाड़ी ने अपने मजबूत प्रदर्शन का श्रेय इस गोल्फ कोर्स से परिचित होने को दिया। उन्होंने कहा, '' ब्रायसन के साथ खेलना अवास्तविक जैसा लगता है। मैं आम तौर पर उन्हें टेलीविजन पर देखता हूं और मैं उस टूर्नामेंट में खेल रहा हूं जिसमें वह भी शामिल है। यह एक शानदार अनुभव है।

जोनाथन गाविन ने पेरिस ओलंपिक मेडलिस्ट सरबजोत सिंह को हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड में 38वें नेशनल गेम्स का आयोजन हो रहा है। सोमवार को पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल इवेंट का आयोजन हुआ जहां बड़ा उलटपेर देखने को मिला। ओलंपिक मेडलिस्ट सरबजोत सिंह पोडियम पर जगह नहीं बना पाए। वहीं कर्नाटक के 15 साल के जोनाथन एंथनी गाविन ने गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया। 10 मीटर एयर पिस्टल के इवेंट में कॉमवेल्थ और एशियन गेम्स गोल्ड मेडलिस्ट सौरभ चौधरी, पेरिस ओलंपिक मेडलिस्ट सरबजोत सिंह जैसे बड़े नाम शामिल थे। हालांकि, दोनों में से कोई भी पोडियम पर जगह नहीं बना पाया। सौरभ चौथरी फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाए और 9वें नंबर पर रहे। टोक्यो ओलंपिक के बाद से सौरभ वापसी की कोशिश में लगे हुए हैं लेकिन वह फिर से फॉर्म हासिल नहीं कर पाए हैं। फाइनल में हरियाणा और सर्विसेज के 3-3 खिलाड़ी शामिल थे। जोनाथन गाविन ने यहां 240.7 के स्कोर के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वह इस इवेंट के सबसे युवा चैंपियन बने। गाविन ने पहले स्टेज में 99.1 का ही स्कोर हासिल किया था। हालांकि, इसके बाद दूसरे स्टेज में उन्होंने जबरदस्त वापसी की। जोनाथन ने इससे पहले नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में भी गोल्ड मेडल जीता था। सर्विसेज के रविंदर सिंह 240.3 अंक के साथ सिल्वर मेडल जीतने में कामयाब रहे।

सालाह के दो गोल से लीवरपूल ने बोर्नेमाउथ को हराया

लंदन (एजेंसी)। मोहम्मद सालाह के दो गोल की मदद से लीवरपूल ने इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल में शनिवार को यहां बोर्नेमाउथ को 2-0 से हराकर अंक तालिका के शीर्ष पर अपनी बढ़त नौ अंक की कर ली। बोर्नेमाउथ के खिलाफ सालाह ने 30वें मिनट में पेनल्टी पर गोल दागने के बाद 75वें मिनट में एक और गोल किया। सालाह प्रीमियर लीग में अब 178 गोल के साथ चेल्सी के महान खिलाड़ी फ्रैंक लैम्पर्ड को पछाड़कर सर्वाधिक गोल करने वालों की सर्वकालिक सूची में छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। मिस्र के इस फॉरवर्ड ने लीवरपूल के साथ अपने संभवत- आखिरी प्रीमियर लीग अभियान में अब तक 21 गोल किए हैं। लीवरपूल के साथ उनका अनुबंध इस सत्र के अंत में समाप्त हो रहा है। यह पांचवीं बार है जब उन्होंने क्लब के लिए एक ही सत्र में 20 या उससे अधिक लीग गोल किए हैं। इस जीत के साथ लीवरपूल के 23 मैच में 56 अंक हो गए हैं।

आर्सेनल की टीम 23 मैच में 47 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है।

इस हार के साथ बोर्नेमाउथ का प्रीमियर लीग में 11 मैच से अजेय रहने का क्रम भी थम गया। टीम 24 मैच में 40 अंक के साथ सातवें स्थान पर है। अन्य मुकाबलों में नॉटिंघम फॉरेस्ट ने ब्राइटन पर 7-0 की एकतरफा जीत दर्ज की जबकि एवर्टन ने भी लीसेस्टर सिटी के खिलाफ 4-0 की आसान जीत हासिल की।

अश्विन ने कनकशन विवाद पर कहा, पूरी तरह से क्रिकेट संबंधित गलत आकलन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान 'कनकशन सब्स्टीट्यूशन' के इस्तेमाल पर सवाल उठाते हुए इसे पूरी तरह से क्रिकेट संबंधित गलत आकलन करार दिया जिसमें मध्यम गति के गेंदबाज हर्षित राणा ने बल्लेबाजी ऑलराउंडर शिवम दुबे की जगह ली थी। दुबे ने मैच के दौरान अर्धशतक बनाया था और भारत की पारी के अंतिम ओवर की पांचवीं गेंद उनके सिर पर लग गई। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने 'कनकशन प्रोटोकॉल' का उपयोग करते हुए दुबे की जगह राणा को मैदान पर उतार दिया जो 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं। राणा ने अपने पदार्पण मैच में 33 रन देकर तीन विकेट झटक लिए जिससे भारत ने मैच 15 रन से जीत लिया। इस तरह भारत ने एक मैच रहते ही टी20 श्रृंखला अपने नाम कर ली। अश्विन ने अपने हिंदी यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' पर कहा, ''खेल खत्म हो गया है। भारत ने घरेलू मैदान पर एक और श्रृंखला अपने नाम कर ली। टी20 अंतरराष्ट्रीय में जीत का सिलसिला वाकई शानदार रहा। लेकिन मेरा पहला सवाल यह है कि क्या

हम भूल गए कि यह एक अंतरराष्ट्रीय मैच था या फिर हमने आईपीएल मैच खेला? '' उन्होंने कहा, ''क्योंकि आज सारी चर्चा इस बात पर थी कि हर्षित राणा किस तरह शिवम दुबे के 'कनकशन सब्स्टीट्यूट' बन गए? मैं समझ सकता हूं कि ऐसा पहले भी हुआ है। कैनबरा में युजवेंद्र चहल ने रविंद्र जडेजा की जगह ली। '' अश्विन ने कहा, ''आप इसे 'पोएटिक जस्टिस' बल्कि 'पोएटिक इनजस्टिस' कह सकते हैं। मुझे यह समझ में नहीं आ रहा। कम से कम पहले तो स्पिनर चहल ने स्पिनर जडेजा की जगह ली थी। यहां हर्षित राणा ऑलराउंडर शिवम दुबे की जगह कैसे ले सकते हैं। '' 'कनकशन प्रोटोकॉल' के अंतर्गत एक खिलाड़ी की जगह उसकी तरह के खिलाड़ी को ही शामिल करने की अनुमति है और राणा तो एक तेज गेंदबाज हैं। उन्होंने मध्यम गति के गेंदबाज दुबे की जगह ली जिन्हें आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए 'इम्पैक्ट खिलाड़ी' के तौर पर इस्तेमाल किया गया। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर इस फैसले से नाखुश हैं। उन्होंने कहा कि उनकी टीम से सलाह नहीं ली गई और वह मैच रेफरी जवागल श्रीनाथ से स्पष्टता मांगेंगे कि कनकशन के मामलों में समान प्रतिस्थापन क्या होता है। अश्विन का मानना ??है कि दुबे के लिए समान प्रतिस्थापन खिलाड़ी के लिए रमनदीप सिंह अधिक उपयुक्त होते। उन्होंने कहा, ''भारतीय या इंग्लैंड टीम की इसमें कोई भूमिका नहीं है। अगर टीम में कोई नहीं है तो आप कह सकते हैं कि हर्षित राणा थोड़ी बल्लेबाजी कर सकता है और शिवम दुबे थोड़ी गेंदबाजी कर सकता है इसलिए हमने उसे शामिल किया। पर समान प्रतिस्थापन खिलाड़ी रमनदीप सिंह बाहर बैठे थे। मुझे समझ में नहीं आ रहा।' उन्होंने कहा, ''यह पूरी तरह से क्रिकेट की गलत गणना का मामला है। भले ही यह अंपायरों की ओर से हो या मैच रेफरी की ओर से या जो भी हो।

रमनदीप सिंह वहां मौजूद थे। वह एक बल्लेबाज है जो शिवम दुबे की तरह ही थोड़ी बहुत गेंदबाजी कर सकता है। लेकिन उन्हें नहीं शामिल किया गया। '' अश्विन ने कहा, ''हर्षित राणा को चुना गया था। मुझे लगता है कि प्रभारी लोगों को इस पर गौर करना चाहिए। आज इंग्लैंड के खिलाफ ऐसा हुआ जिसे नुकसान हुआ, पर किसी दिन भारत के साथ भी ऐसा हो सकता है।

अभिषेक शर्मा की पारी देखकर मजा आया-सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने रविवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में शतक जड़ने वाले अभिषेक शर्मा की तारीफों के पुल बांधे जिसकी बदौलत टीम 150 रन की बड़ी जीत दर्ज करके श्रृंखला 4-1 से अपने नाम करने में कामयाब रही।

सूर्यकुमार ने मैच में अभिषेक और शिवम दुबे से गेंदबाजी भी कराई जिन्होंने दो दो विकेट झटके। मैच में मोहम्मद शमी ने तीन विकेट झटके। उन्होंने अभिषेक और दुबे से गेंदबाजी कराने के बारे में कहा, '' यह रणनीति नहीं थी लेकिन मैदान पर तुरंत ही फैसला किया क्योंकि मुझे लगा कि वे विकेट ले सकते हैं और उन्होंने ऐसा किया भी। ''

'प्लेयर ऑफ द मैच' अभिषेक की 135 रन की शतकीय पारी के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, ''उनकी पारी देखकर देखकर मजा आया। उनका परिवार भी यहां मौजूद है और मुझे यकीन है कि सभी को उनकी पारी देखकर मजा आया होगा। ''

इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने कहा, ''श्रृंखला हारना हताशापूर्ण है। हमने कुछ चीजें सही कीं लेकिन कुछ पहलुओं पर हमें सुधार करने की जरूरत है। हमारी कोशिश यही रहती है कि हम सुधार करते रहें। मार्क वुड और ब्राइडन कार्स ने अच्छी गेंदबाजी की। अब वनडे श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। अभिषेक ने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट से हराकर महिला अंडर-19 टी20 विश्व कप का खिताब बरकरार रखा

कुआलालंपुर (एजेंसी)। भारत ने रविवार को यहां फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार आईसीसी महिला अंडर-19 टी20 विश्व कप का खिताब जीता। दक्षिण अफ्रीका के 83 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने 52 गेंद शेष रहते 11.2 ओवर में एक विकेट पर 84 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की।

गोंगाडी त्रिशा 33 गेंद में नाबाद 44 रन बनाकर भारत की ओर से शीर्ष स्कोरर रहीं। सानिका चाल्के ने भी 22 गेंद में नाबाद 26 रन की पारी खेली। इससे पहले त्रिशा (15 रन पर तीन विकेट) की अगुआई में भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया जिससे दक्षिण अफ्रीका की टीम 20 ओवर में 82 रन पर सिमट गई। पारुनिका सिसोदिया (छह रन पर दो

विकेट), आयुषी शुक्ला (नौ रन पर दो विकेट) और वैष्णवी शर्मा (23 रन पर दो विकेट) ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए दो-दो विकेट चटकाए।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरे दक्षिण अफ्रीका ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और उसकी तरफ से माइकी वान वूर्स्ट (23) शीर्ष स्कोरर रहीं। टीम की सिर्फ चार बल्लेबाज दोहरे अंक में पहुंच पाईं जबकि चार बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल पाईं। भारत ने 2023 में फाइनल में इंग्लैंड को सात विकेट से हराकर पहले आईसीसी महिला अंडर-19 टी20 विश्व कप का खिताब भी जीता था।

भारत जीत के साथ करना चाहेगी सीरीज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का अंतिम मुकाबला खेला जाएगा। मुंबई के वानखेड़े में दोनों टीमें आपस में भिड़ेंगी। सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व में भारतीय टीम पहले ही सीरीज अपने नाम कर चुकी है। 31 जनवरी को खेले गए चौथे टी20 की बात करें तो मैच 35 ओवर तक इंग्लैंड की पकड़ में था। इस मैच में पहले खेलते हुए भारत ने सिर्फ 12 रनों पर 3 अहम विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद 79 रनों पर 5 विकेट गिर गए थे। इसके बाद हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे ने अर्धशतक जड़कर स्कोर 181 तक पहुंचाया था। पावरप्ले में ही फिल साल्ट और बेन डकेट ने 62 रन बना लिए थे। हालांकि, अंत में इंग्लैंड को 15 रनों से हार का सामना करना पड़ा।

टी20 मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। यहां की पिच बल्लेबाजों की मददगार होती है। ऐसे में एक हाई स्कोरिंग मैच देखने को मिल सकता है। मुंबई में ओस का इतना प्रभाव नहीं रहेगा। फिर भी टॉस जीतने वाली टीम लक्ष्य का पीछा करने का फैसला ले सकती है।

मैच प्रिडिक्शन मीटर बता रहा है कि भारत और इंग्लैंड के पांचवें टी20 में कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी। हालांकि, जीत लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम की होगी। भारतीय टीम आज अपने स्टार खिलाड़ियों को रेस्ट दे सकती है। अर्शदीप सिंह और हार्दिक पांड्या आराम कर सकते हैं। ऐसे में इंग्लैंड उलटफेर भी कर सकता है।

टीमें : टीम इंडिया की संभावित प्लेइंग इलेवन- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा और मोहम्मद शमी। इंग्लैंड की संभावित प्लेइंग इलेवन- जोस बटलर (कप्तान और विकेटकीपर), फिल साल्ट, बेन डकेट, हैरी ब्रूक, लियाम लिविंगस्टोन, जैकब बीथल, जैमी स्मिथ, आदिल रशीद, साकिब महमूद, ब्रायडन कार्स और जोफ्रा आर्चर।

कलेक्ट्रेट में आयोजित किया गया साइबर अपराध रोकने के लिए जागरूकता कार्यक्रम

साइबर अपराधों से बचने मोबाइल का सावधानी से करें उपयोग

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में साइबर अपराध रोकने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा कि हर व्यक्ति मोबाइल फोन का उपयोग कर रहा है। एक-दूसरे से संपर्क के साथ-साथ मोबाइल बैंकिंग, ऑनलाइन शॉपिंग, गेमिंग तथा अन्य कई कार्यों में मोबाइल का उपयोग हो रहा है। साइबर अपराधों से बचने के लिए मोबाइल का सावधानी से उपयोग करें। अनजाने नम्बरों से आने वाले फोन काल से सावधान रहें। किसी भी तरह के लालच या दबाव में आकर कोई भी वेबसाइट अथवा लिंक डाउनलोड न करें। सोशल मीडिया का उपयोग करते समय सेफ्टी फीचर ध्यान रखें। हाल ही में सीधी में एक व्यक्ति से एक करोड़ रुपए तथा रीवा में 50 लाख रुपए की साइबर ठगी हो चुकी है। स्वयं सावधानी बरतें तथा अन्य व्यक्तियों को भी साइबर अपराधों से बचने के लिए जागरूक करें।

कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेकलाल ने बताया कि पुलिस महानिदेशक के निर्देश के अनुसार विभाग द्वारा पूरे प्रदेश में एक फरवरी से 11 फरवरी तक सेफ क्लिक अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत प्रत्येक थाने तथा शिक्षण संस्थाओं में साइबर अपराध से बचाव के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। साइबर अपराध इस समय बहुत बड़ी चुनौती है। साइबर अपराधियों का नेटवर्क बहुत बड़ा है। इनमें से अधिकतर नेटवर्क विदेशों से संचालित हैं। राजस्थान और बिहार से भी कई साइबर अपराधियों के गिरोह लगातार सक्रिय हैं। कार्यक्रम में पुलिस साइबर सेल के पटेल ने बताया कि साइबर अपराध लालच में आने और भय से होते हैं। डिजिटल अरेस्ट जैसे मामले भी साइबर अपराध ही हैं। साइबर अपराध से बचने के लिए काम खत्म होने के बाद मोबाइल का इंटरनेट बंद कर दें। रात में भी इंटरनेट बंद रखें। मोबाइल फोन में कोई भी महत्वपूर्ण व्यक्तिगत जानकारी जैसे आधार कार्ड, पैनकार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस नम्बर, जन्मतिथि, बैंक खाता नम्बर आदि न रखें। फर्जी वेबसाइट और लिंक के माध्यम से हैकर्स आपकी जानकारी आसानी से प्राप्त कर लेते हैं। इसके बाद आपको साइबर क्राइम का शिकार बनाते हैं।

कार्यक्रम में बताया गया कि सोशल मीडिया जैसे व्हाट्सएप, फेसबुक अथवा अन्य प्लेटफार्म का उपयोग करते समय सुरक्षा के उपाय करें। अपनी प्रोफाइल ओपन न रखें। व्हाट्सएप में ऑटो डाउनलोड आप्शन बंद कर दें। जिस मैसेज की आवश्यकता हो उसे ही डाउनलोड करें। व्हाट्सएप स्टेटस में ओनली कॉन्टैक्ट आप्शन रखें। सिम लेते समय केवल एक बार ही अंगूठा लगाएं।

सिम बेचने वाले कई बार एक से अधिक बार अंगूठा लगवाकर एक सिम आपको देंगे तथा आपके दस्तावेजों के आधार पर दूसरी सिम का फर्जी रूप से उपयोग करेंगे। फर्जी सिम का नेटवर्क कंबोडिया से संचालित हो रहा है। कुछ दिनों पहले रीवा में ही जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र फर्जी जारी करने की वेबसाइट पकड़ी गई थी। इसे उत्तरप्रदेश से संचालित किया जा रहा था। साइबर अपराधों के संबंध में हेल्पलाइन नम्बर 1930 से भी सहायता ली जा सकती है। पुलिस कंट्रोल रूम रीवा की साइबर सेल भी आपको साइबर अपराध से बचाने में सहयोग करेगी। कार्यक्रम में आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवणे, अपर कलेक्टर मती सपना त्रिपाठी, सभी एसडीएम, संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय तथा सभी अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री मोदी से उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने की शिष्टाचार भेंट

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने संसद भवन नई दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने ऐतिहासिक, सर्वसमावेशी एवं लोक कल्याणकारी बजट के लिये आभार व्यक्त किया। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने प्रधानमंत्री मोदी का पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से राज्य के विकास के विभिन्न विषयों में मार्गदर्शन प्राप्त किया। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का मार्गदर्शन सदैव प्रेरणादायक होता है। जनहित के कार्यों में समर्पण के भाव और नव ऊर्जा का संचार करता है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी से मध्यप्रदेश के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की और मार्गदर्शन प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में "विकसित भारत" के संकल्प को साकार करने के लिए मध्यप्रदेश निरंतर कार्य कर रहा है। उनके नेतृत्व में प्रदेश सरकार विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण के लिये प्रतिबद्ध है।

जनवरी माह और 50 दिन से अधिक के आवेदन प्राथमिकता से निपटायें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर मती प्रतिभा पाल ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन में जनवरी माह में प्राप्त आवेदनों तथा 50 दिन से अधिक समय से लंबित आवेदनों का प्राथमिकता से निराकरण करें। समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित सभी आवेदनों का दो दिवस में निराकरण कराएं। सभी एसडीएम अपने अनुभाग में राजस्व प्रकरणों सहित सभी विभागों के सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करके प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। ग्रामीण विकास विभाग, राजस्व विभाग, गृह विभाग, खाद्य विभाग, नगरीय निकाय, वित्त विभाग, लोक निर्माण विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा श्रम विभाग में बड़ी संख्या में आवेदन पत्र लंबित हैं। संबंधित अधिकारी इनका निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने लोकसेवा गारंटी योजना के समय सीमा से बाहर के प्रकरणों में सभी संबंधित अधिकारियों पर जुर्माने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि एसडीएम अपने अनुभाग में जनपद पंचायत के सहयोग से प्रत्येक ग्राम पंचायत में शिविर लगाकर 70 साल से अधिक आयु के शेष बचे व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनवाएं। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। इस कार्य में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा आशा कार्यकर्ताओं का भी सहयोग लें। धरती आबा अभियान की समीक्षा बैठक इसी सप्ताह आयोजित की जाएगी। इस योजना से जुड़े अधिकारी निर्धारित बिन्दुओं की जानकारी आज ही जिला संयोजक ट्राईबल कार्यालय को उपलब्ध कराएं। जिला प्रबंधक जल निगम कंदैला समूह नलजल योजना के सभी गांवों में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित कर इससे जुड़े लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का निराकरण करें। कार्यपालन यंत्री पीएचई पूर्ण एकल नलजल योजनाओं को जनपद पंचायत के सहयोग से ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित करें। जल कर की नियमित वसूली भी सुनिश्चित करें।

बैठक में जिला प्रबंधक नाबार्ड ने वर्ष 2025-26 के लिए रीवा जिले के संभाव्यतायुक्त ऋण योजना की जानकारी प्रस्तुत की। बैठक में कलेक्टर तथा अन्य अधिकारियों ने जिले के क्रेडिट प्लान की पुस्तिका का विमोचन किया। बैठक में कलेक्टर ने जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम तथा महाप्रबंधक जिला सहकारी बैंक को धान उपार्जन के शेष बचे किसानों को तीन दिवस में लंबित राशि के भुगतान के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने सभी एसडीएम को उनके अनुभाग में पशु चिकित्सकों की उपस्थिति के संबंध में जाँच कर प्रतिवेदन देने के निर्देश दिए। बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवणे, अपर कलेक्टर मती सपना त्रिपाठी, सभी एसडीएम, संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय तथा सभी अधिकारी उपस्थित रहे।

आरएसएस के खिलाफ पोस्टर लगा रहे एनएसयूआई कार्यकर्ता गिरफ्तार, धरने पर बैठी यूवा कांग्रेस नेता

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विवादित पोस्टर को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को एक बार फिर छात्र संगठन एनएसयूआई कार्यकर्ता और पदाधिकारी आरएसएस के खिलाफ पोस्टर लगाने शहर के कॉलेज चौराहे पहुंचे। मौके से ही पुलिस ने सभी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान पुलिस और एनएसयूआई कार्यकर्ताओं में धक्का मुक्की भी देखने को मिली। विवाद यहीं नहीं थमा, छात्र संगठन के कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के विरोध में युवा कांग्रेस के पदाधिकारी कंट्रोल रूम के सामने धरने पर बैठ गए। एक बार फिर पुलिस और युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच तनाव की स्थिति देखने को मिली। बता दें कि आरएसएस के खिलाफ पोस्टर लगाने का यह सिलसिला रीवा में रविवार शाम से शुरू हुआ है, जो लगातार जारी है।

आरएसएस को बताया संविधान विरोधी : जानकारी के अनुसार, रीवा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खिलाफ चौक-चौराहों पर पोस्टर लगाए गए हैं। इन पोस्टर्स को राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) की ओर से लगाया गया है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता विनोद शर्मा ने कहा कि इस अभियान को पार्टी का खुला समर्थन है। शहर के प्रमुख चौराहों पर लगाए गए इन पोस्टरों में आरएसएस को संविधान विरोधी संगठन बताया गया है। इसके अलावा, कुछ पोस्टरों में महात्मा गांधी की हत्या से जुड़े नारे भी लिखे गए हैं और संघ पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है। कांग्रेस की ओर से वरिष्ठ नेता विनोद शर्मा ने एनएसयूआई के इस कदम का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा से आरएसएस के विरोध में रही है और इसे एक विवादास्पद संगठन मानती है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में एक समय आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया गया था।

भाजपा जिलाध्यक्ष बोले- यह ओछी मानसिकता: वहीं, भाजपा ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि आरएसएस हमेशा बाढ़, भूकंप और अन्य आपदाओं में सेवा कार्यों में अग्रणी रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पोस्टर ओछी मानसिकता के तहत लगाए गए हैं, जिससे गलत संदेश फैलाया जा रहा है और लोगों को भ्रमित किया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि इस तरह की गतिविधियों में शामिल लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने कोई कठोर कदम नहीं उठाया तो भाजपा को आगे की रणनीति पर विचार करना पड़ेगा।

मोबाइल फोन उठाइए, अपना आयुष्मान कार्ड बनाइए

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र व्यक्तियों को आयुष्मान कार्ड जारी किए गए हैं। इसकी सहायता से एक वर्ष की अवधि में पाँच लाख रुपए तक के उपचार की सहायता दी जाती है। शासन द्वारा 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। इसके लिए आधार कार्ड में अंकित जन्मतिथि को आधार माना गया है। इस संबंध में आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे ने बताया कि जिले में 70 साल से अधिक आयु के एक लाख 45 हजार व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए शहरी क्षेत्र के सभी वार्डों, ग्राम पंचायतों तथा सभी अस्पतालों एवं संजीवनी केन्द्रों में शिविर लगाए जा रहे हैं। आशा कार्यकर्ता, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, एएनएम तथा सीएचओ द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। आयुक्त नगर निगम ने बताया कि घर बैठे भी आयुष्मान कार्ड बनाने की सुविधा है। इसके लिए बस एन्ड्रायॅड फोन की आवश्यकता होगी।

अपने फोन पर आयुष्मान एप डाउनलोड कर लें। इसमें निर्धारित विवरण दर्ज कर दें। आधार कार्ड और समग्र आईडी की जानकारी दर्ज करने के बाद दर्ज किए गए मोबाइल नम्बर पर ओटीपी आएगा। इसे दर्ज करने पर आयुष्मान कार्ड डाउनलोड हो जाएगा। यदि ओटीपी दर्ज करने के बाद किसी तरह का एरर दिखाई देता है तो पुनः क्लिक करके ओटीपी प्राप्त करें। इसमें पंजीयन होने के बाद आयुष्मान कार्ड जनरेट हो जाएगा। इसे आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है।

मंत्री इंदर सिंह और कृष्णा गौर रीवा होकर प्रयागराज जायेंगे

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार 6 फरवरी को रेवांचल एक्सप्रेस से रवाना होकर 7 फरवरी को प्रातः 8 बजे रीवा पहुंचेंगे तथा राजनिवास सर्किट हाउस में विश्राम के उपरांत प्रातः 9.30 बजे प्रयागराज रवाना होंगे। मंत्री परमार 8 फरवरी को दोपहर बाद रीवा आकर रात्रि 8 बजे रेवांचल एक्सप्रेस ट्रेन द्वारा भोपाल प्रस्थान करेंगे। वहीं पिछड़ावर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमन्तु और अर्धघुमन्तु कल्याण मंत्री मती कृष्णा गौर रेवांचल एक्सप्रेस ट्रेन द्वारा 9 फरवरी को प्रातः रीवा पहुंचेंगी तथा दोपहर 12 बजे कार द्वारा प्रयागराज रवाना होंगी। मती गौर 11 फरवरी को अपरान्ह 2 बजे रीवा आकर रात्रि 8 बजे रेवांचल एक्सप्रेस से भोपाल रवाना होंगी।

अभियंता प्रशिक्षण कार्यशाला में लोक निर्माण मंत्री ने कहा-

नवाचार तथा मैदानी कर्मचारियों की क्षमतावृद्धि पर ध्यान केन्द्रित करें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। लोक निर्माण विभाग के इंजीनियरों की संभाग स्तर पर प्रशिक्षण कार्यशाला का समदड़िया गोल्ड में गत दिवस आयोजन किया गया। कार्यशाला का वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ करते हुए लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि लोक निर्माण विभाग के सभी इंजीनियरों को आधुनिक निर्माण तकनीकों का ज्ञान होना आवश्यक है। आधुनिक तकनीक का उपयोग करके निर्माण कार्य कराने पर गुणवत्ता में वृद्धि होने के साथ लागत में कमी आएगी। लोक निर्माण विभाग के सभी चीफ इंजीनियर निर्माण कार्यों में नवाचार तथा मैदानी कर्मचारियों की क्षमता वृद्धि पर ध्यान केन्द्रित करें। वर्तमान समय में टेक्नॉलाजी तेजी से विकसित हो रही है। सभी इंजीनियर नई तकनीकों को अपनाकर उसका

निर्माण कार्यों में उपयोग करें। निर्माण कार्यों में नवाचार और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि लोक निर्माण से लोक कल्याण तक का कार्य इंजीनियरों के माध्यम से ही संभव हो सकता है। लोक निर्माण विभाग अपने गठन से लेकर अब तक प्रदेश के अधोसंरचना विकास में महत्वपूर्ण योगदान लगातार दे रहा है। विभाग द्वारा निर्मित संरचनाएं न केवल वर्तमान पीढ़ी बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी उपयोगी साबित होंगी। सभी इंजीनियर लोक कल्याण की भावना को ध्यान में रखकर निर्माण कार्य करें। विकसित मध्यप्रदेश का सपना पूरा करने में लोक निर्माण विभाग की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रदेश भर में संभाग स्तर पर आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यशाला से इंजीनियरों को नवीन तकनीक के साथ-साथ नई ऊर्जा से कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी।

प्रशिक्षण कार्यशाला में मुख्य अभियंता संजय खाण्डे ने प्रजेंटेशन के माध्यम से निर्माण की नवीनतम तकनीकों व्हाइट टापिंग तकनीक, फुल डेप्थ रिक्लमेशन तकनीक तथा अल्ट्रा हाई परफार्मेंस कांक्रीट तकनीक से सड़कों के निर्माण की जानकारी दी। सड़क निर्माण में प्लास्टिक वेस्ट के उपयोग से पर्यावरण संरक्षण की भी जानकारी दी गई।

प्रदेश में नगरीय निकायों को कचरा प्रबंधन में आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रदेश मेंनगरीय निकायों को वर्ष 2027 तक कचरा प्रबंधन में आत्मनिर्भर बनाने के लिये नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा प्रभावी प्रयास किये जा रहे हैं। गीले कचरे को कंपोस्टिंग के लिये कटनी और सागर शहर में अत्याधुनिक स्वचालित इकाइयां लगाई गई हैं, जहां 16 शहरों से कचरा लाकर उसे कंपोस्ट में बदला जा रहा है। इंदौर में गीले कचरे से बायो सीएनजी तैयार करने के लिये 550 टन प्रतिदिन क्षमता की गोबरधन इकाई लगाई गई है। रीवा और जबलपुर में कचरे से बिजली बनाने की इकाइयाँ भी संचालित हो रही है। इनमें प्रतिदिन 950 टन कचरे का प्र-संस्करण किया जाकर 18 मेगावॉट बिजली पैदा की जा रही है। प्रदेश के 10 नगरीय निकायों के लिये क्लस्टर आधार पर 1018.85 टन प्रतिदिन क्षमता की इकाइयों के लिये केन्द्र सरकार से स्वीकृति मिल गयी है। इंदौर-उज्जैन में 607 टन कचरे से बिजली बनाने की यूनिट्स का काम प्रस्तावित है। इनके प्रारंभ होने से 12.15 मेगावॉट बिजली प्राप्त होगी।

क्रेडिट प्लान पुस्तक का कलेक्टर मऊगंज ने किया विमोचन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। वित्तीय वर्ष 2025-26 की योजनाओं को दिशा देने के उद्देश्य से मुद्रित प्लान पुस्तक का गत दिनों कलेक्टर मऊगंज अजय वास्तव ने विमोचन किया। पुस्तक में आगामी वित्तीय वर्ष में किये जाने वाली क्रेडिट योजनाओं की विस्तृत रूप रेखा प्रस्तुत की गई है।

कलेक्ट्रेट सभागार मऊगंज में विमोचन अवसर पर कलेक्टर अजय वास्तव ने कहा कि इस पुस्तक के माध्यम से वित्तीय समावेश को बढ़ावा मिलने के साथ ही किसानों, उद्यमियों तथा स्वरोजगार को सशक्त बनाने में सहायता मिलेगी। जिला विकास प्रबंधक नावार्ड सरोज कुमार जेना ने बताया कि इस क्रेडिट प्लान से जिले की वित्तीय गतिविधियों को सशक्त किया जा सकेगा और विभिन्न सेक्टर में ऋण प्रवाह को सही दिशा मिलेगी। पुस्तक विमोचन अवसर पर एलडीएम ज्योत्सना अग्रवाल भी उपस्थित रहीं।

पार्टी कार्यालय पर भाजपा नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

अर्जुन सिंह चौहान का निधन पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी की यात्रा में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले तथा कई दायित्वों का निर्वाह करने वाले भाजपा मध्यप्रदेश के पहली कार्यकारिणी में प्रदेश के महामंत्री, अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सहित विभिन्न दायित्व का निर्वाह करने वाले रीवा भाजपा के वरिष्ठ नेता अर्जुन सिंह चौहान के दुखद निधन उपरांत आज भाजपा कार्यालय अटल कुंज में सुबह 9 बजे से दर्शनार्थ पार्थिव शरीर पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा श्रद्धांजली अर्पित की तथा उनके चरणों में श्रृद्धा सुमन अर्पित कर ईश्वर से अपने चरणों स्थान देने हेतु प्रार्थना की गई।

अर्जुन सिंह चौहान का पार्थिव शरीर 9 बजे उनके निवास से पार्टी कार्यालय अटल कुंज लाया गया जहां जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता तथा पार्टी नेताओं की उपस्थिति में पार्टी का ध्वज उनके शरीर पर लपेटा गया। तत्पश्चात श्रृद्धांजली देने उपरांत उनका पार्थिव शरीर बदरिया मुक्तिधाम ले जाया गया जहां गार्ड ऑफ आर्नर के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। श्रृद्धांजली के दौरान प्रमुख रूप से प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेन्द्र पाण्डेय, पूर्व जिला अध्यक्ष कमलेश्वर सिंह, डॉ अजय सिंह, विधायक नरेन्द्र प्रजापति, जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, नगर निगम अध्यक्ष व्यंटेश पाण्डेय, वरिष्ठ नेता राम सिंह, महाबली गौतम, रमेश गर्ग, राजेन्द्र ताम्रकार, अंजु मिश्रा, विमलेश मिश्रा, जिला महामंत्री अशोक सिंह गहरवार, जिला उपाध्यक्ष माया सिंह, मनीषा पाठक, जिला मंत्री शरद साहू, मुनिराज पटेल, जय प्रताप सिंह, विवेक पाण्डेय छोटू, क्रान्तिवीर सिंह, मो. इमरान गुलाब, दयानन्द तिवारी, उर्मिला सिंह गोड़, मंडल अध्यक्ष गौरव पाण्डेय, शिवम द्विवेदी, पार्षद राजीव शर्मा, अम्बुज रजक, शिवदत्त पाण्डेय, आकाश चौरसिया, प्रबोध व्यास, राजगोपाल मिश्रा चारी, कमल सोनी, विवेक गौतम, विवेक पाण्डेय, दीपक मिश्रा, प्रकाश सोनी, शेखर सचदेवा, सी एस तिवारी, वासुदेव ठारवानी, अंजू गुप्ता, नजमा बेगम, निशा साकेत, बृजेन्द्र गौतम, अश्वनी शर्मा, नीरज पटेल, बालेन्द्र गौतम, कल्पना श्रीवास्तव, जीवनलाल साकेत, प्रदुमन सिंह, राजेश प्रताप सिंह, बालानन्द द्विवेदी, संजय मिश्रा लाली, संजय साकेत, प्रीतम सिंह, संजीव गुप्ता, गुलाब साहनी, स्वदीप सिंह सिसोदिया, संजीव शुक्ला, जनेंद्र मिश्रा,महेन्द्र त्रिपाठी, देवेन्द्र पाण्डेय, प्रकाश गुप्ता, आमिर खान, जयलाल साकेत, सहित पार्टी पदाधिकारी एवं पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

उचित मूल्य दूकान के लिये आवेदन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मनगवां तहसील अन्तर्गत सेवा सहकारी समिति नवागांव समिति की शासकीय उचित मूल्य दूकान हर्दी नं. 2 के संचालन के लिये पात्र संस्थाओं से आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मनगवां से प्राप्त जानकारी के अनुसार 10 फरवरी को शाम 5 बजे तक पात्र संस्थाएँ अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं। इस संबंध में विस्तृत जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।